सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 235 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 16 दिसम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

प्रतिभा एक प्रतिशत प्रेरणा और निन्यानबे प्रतिशत पसीना है।
-थॉमस ए. एडीसन

भारतीय महिलाओं ने रच डाला... 7 | सदन से निलंबन पर सांसदों को... 3 | स्वरोजगार करने वालों का हो रहा... 2

कांग्रेस सांसद का केंद्र व बीजेपी पर जोरदार हमला

संसद में घुसपैठ के लिए मोदी सरकार जिम्मेदार : राहुल गांधी

» सरकारी नीतियों की वजह से युवाओं में आक्रोश

» संसद में सुरक्षा की चूक का कारण है बेरोजगारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में हुई चूक पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार व बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। राहुल गांधी ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि संसद में सुरक्षा चूक हुई है ऐसा क्यों हुआ? देश में मुख्य मुद्दा बेरोजगारी है। संसद की सुरक्षा में हुई चूक मामले पर राहुल गांधी ने बयान दिया है। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा क्यों हुआ, देश में मुख्य मुद्दा बेरोजगारी है। प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के कारण देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और इस घटना के पीछे का कारण बेरोजगारी और महंगाई है।

वहीं इस ममाले में पकड़े गए मास्टर मांइड ललित झा के परिजनों ने कहा है उनके पुत्र ने कुछ गलत नहीं किया है। बता दें कि 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई थी। दो आरोपी लोकसभा में सांसदों के बीच पहुंच गए थे। वहीं संसद की सुरक्षा में चूक के बाद दिल्ली पुलिस इस घटना में शामिल सभी छह आरोपियों से पूछताछ कर रही है। सुरक्षा में सेंध के मास्टरमाइंड ललित झा से भी अलग से पूछताछ हो रही है। पुलिस की पूछताछ के दौरान सभी गिरफ्तार आरोपियों ने कई बड़े खुलासे किए हैं. इस मामले में पुलिस को अब ललित झा का साथ देने वाले महेश कुमावत की तलाश है। पुलिस की कई टीमें महेश को गिरफ्तार करने के लिए संभावित जगहों पर छापेमारी कर रही है. इन सब के बीच पुलिस ने महेश कुमावत के इंस्टाग्राम एकाउंट को डिकोड कर लिया है। महेश के इंस्टाग्राम एकाउंट से कई बड़े खुलासे भी हुए हैं।

बेटा निर्दोष, हम कोर्ट जाएंगे : ललित के मां-बाप

संसद भवन घुसपैठ इस मामले का मास्टरमाइंड कहे जा रहे दरभंगा के अलीनगर थाना क्षेत्र निवासी निवासी ललित झा के माता-पिता का कहना है कि वह ऐसा नहीं कर सकता है। वह निर्दोष है। उसने घर या बाहर में ऐसी कोई हरकत नहीं की थी, जो संदिग्ध हो। वह कोचिंग में पढ़ाता था। कहीं से कोई शिकायत नहीं मिली। मां मंजुला झा ने कहा कि मेरा बेटा बहुत सीधा-साधा है। हमको गाड़ी में बैठा दिया और वह दिल्ली चला गया। उन्होंने बताया कि कोलकाता के बड़ा बाजार थाना के कहने पर निर्दोष लोगों अभीतक तीन बार ब्लड डोनेट तक कर चुका है। वह ऐसा नहीं कर सकता। हमको कुछ समझ मे नही आ रहा है। हमलोग कोर्ट में न्याय की गुहार लगाने के लिए जाएंगे। आरोपी ललित झा के पिता देवानन्द झा ने बताया कि इंटर की पढ़ाई के बाद ललित से मेडिकल परीक्षा की तैयारी करने लिए बोले लेकिन हमलोगों की गरीबी के कारण वह आगे की पढ़ाई नहीं कर सका। इसके बाद वह कोलकाता में ही बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने लगा। दरभंगा के अलीनगर में उनका पैतृक मकान है। लेकिन, वह सपरिवार काफी लंबे समय से कोलकाता में रहकर पुजारी का काम किया करते है। लेकिन देवानंद खेती-बाड़ी के काम से गांव आते रहते हैं। पिता झा ने कहा कि बेटे के बारे में जो जानकारी मिल रही है, उससे पूरा परिवार हैरान है। किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा कि अचाकन यह क्या हो गया? गांव के लोग भी स्तब्ध हैं। पुलिस के अनुसार ग्रामीणों ने बताया कि ललित के पिता देवानंद झा पश्चिम बंगाल में रहकर पूजा-पाठ कराते हैं। यही उनकी आजीविका का साधन है। ललित तीन भाइयों में मंझला है। उसका बड़ा भाई सोनू झा बंगाल में ही कपड़े की दुकान में नौकरी करता है। छोटा भाई शंभू झा बिजली मिस्त्री का काम करता है।

युवाओं का करना चाहते थे ब्रेन वॉश : पुलिस

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस को पता चला है कि इस एकाउंट से क्रांति के नाम पर युवाओं को भड़काने और उनका ब्रेन वॉश करने की साजिश की जा रही थी। ये आरोपी क्रांतिकारियों की तस्वीरों का इस्तेमाल कर सरकार विरोधी वीडियो बनाते थे और इन्हीं से युवाओं का ब्रेन वॉश भी करने की कोशिश करते थे। पुलिस फिलहाल इस एकाउंट से मिली जानकारी को भी पूछताछ के दौरान आरोपियों के सामने रख रही है।

महाराष्ट्र कांग्रेस स्थापना दिवस पर नागपुर से फूंकेगी लोस चुनाव का बिगुल

» सोनिया और राहुल भी रहेंगे मौजूद

मुंबई। नागपुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय है। इसलिए कांग्रेस की रैली के मायने निकाले जा रहे हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने पार्टी नेता मुकुल वासनिक की उपस्थिति में महाराष्ट्र में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की। आगामी 28 दिसंबर को 139वें स्थापना दिवस पर कांग्रेस नागपुर में एक बड़ी रैली आयोजित करेगी, जिसमें अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी लोगों को संबोधित करेंगे। रैली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी शिरकत करेंगे। माना जा रहा है कि नागपुर की रैली के माध्यम से कांग्रेस लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंकेगी। उन्होंने बताया कि चार राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के वोट शेयर में भारी बढ़ोतरी हुई है। कर्नाटक के बाद तेलंगाना में भी स्पष्ट बहुमत के साथ कांग्रेस की सरकार बनी है। वहीं, भाजपा तानाशाही तरीके से काम कर रही है। यहां तक कि देश की संसद तक सुरक्षित नहीं है तो देश कैसे सुरक्षित रहेगा। उन्होंने सवाल किया कि हमलावरों को पास देने वाले भाजपा सांसदों के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

बरामद कैश मेरे परिवार के व्यवसाय से संबंधित : साहू

कैश किंग के रूप में मशहूर हो चुके कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू ने अपने ठिकानों से बड़ी मात्रा में नकदी की बरामदगी के मुद्दे पर आखिरकार चुप्पी तोड़ दी है। हम आपको बता दें कि धीरज साहू के ठिकानों पर दस दिन तक चली छापेमारी में जो नकदी बरामद हुई है वह आयकर विभाग की ओर से किसी भी छापेमारी के दौरान बरामद सबसे ज्यादा कैश है। अब धीरज साहू ने मीडिया के सामने आते हुए कहा है कि जो भी कैश बरामद हुआ है वह उनके परिवार से संबंधित व्यवसाय का है। उन्होंने अपनी सफाई देते हुए कहा है कि बरामद पैसा ब्लैक मनी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इस पैसे का कांग्रेस या किसी अन्य राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं है। धीरज साहू ने कहा है कि आयकर विभाग मामले की जांच कर रहा है और समय आने पर सारी चीजें स्पष्ट हो जाएंगी।

भाजपा सरकार सबसे संवेदनहीन

» योगी सरकार पर बरसे अखिलेश बोले- प्रदेश में बड़ी संख्या में बच्चों के खातों में अब तक नहीं पहुंची धनराशि

मप्र में जिसकी वजह से सरकार बनी बीजेपी ने उसे दिया दुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर बच्चों से ज्यादती का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में काफी ठंड पड़ रही है। इसके बाद भी तमाम विद्यार्थियों को जूते व स्वेटर खरीदने के लिए उनके खातों में सरकार धनराशि नहीं भेज पाई है। इसके विद्यार्थी बिना जूते और स्वेटर के स्कूल जा रहे हैं। बागपत और कुशीनगर में बड़ी संख्या में बच्चों के खातों में अब तक धनराशि नहीं पहुंची है। शिकायत के बावजूद सरकार द्वारा कोई सुनवाई नहीं की जा रही है।

जूते के बिना ठिठुर कर स्कूल जा रहे हैं छात्र

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों और उपेक्षा से किसान बेहाल है। किसानों के लिए खेती घाटे का सौदा बनकर रह गई है। धान, गन्ना, गेहूं, मूंगफली और आलू उत्पादक किसान परेशान हैं। बढ़ती महंगाई के चलते किसानों को फसलों का लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों की आय दुगुना करने का वादा किया था, पर उसका वादा झूठा और हवाई साबित हुआ। खरीद केंद्रों पर लंबी लाइनें हैं। हजारों किसान इस सर्दी में परेशान हैं। कई खरीद केंद्र तो खुले ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मूंगफली किसान संकट से गुजर रहे हैं। क्रय केंद्र मूंगफली किसानों का बकाया भुगतान नहीं कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने पिछले दो सालों से गन्ना का मूल्य नहीं बढ़ाया। गन्ने की खेती की लागत बढ़ रही है। किसानों का हजारों करोड़ रुपये चीनी मिलों पर बकाया है। भाजपा सरकार किसानों की नहीं बड़े पूंजीपतियों की हमदर्द है। अखिलेश ने कहा कि मध्य प्रदेश में ये कहा गया कि जो लाडली योजना थी, उसकी वजह से सरकार बनी। प्रधानमंत्री ने भी कहा कि महिलाओं का वोट ज्यादा मिला। अब आप खुद कल्पना करिए कि लोकतंत्र में जिस नेता की वजह से सरकार बनी हो, वही मामा (निवर्तमान सीएम शिवराज सिंह) दुखी हो।

सरकारी तौर पर ठंड से बचाव की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। गरीब के सिर पर आसमान के अलावा दूसरी छत नहीं है। भाजपा सरकार इस सबसे संवेदनहीन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश की जनता की परेशानियों पर ध्यान देने के बजाय दूसरे प्रदेशों के दौरे पर रहते हैं। लोग भाजपा के जनविरोधी रवैये से ऊब चुके है।

पटेल ने बनाया भारत को सशक्त

सपा मुख्यालय पर लौहपुरुष सरदार पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और आजाद भारत में स्वतंत्र रियासतों को भारत संघ में विलय कराने में अभूतपूर्व योगदान रहा है। भारत को अखण्ड और सशक्त बनाने का महान कार्य उन्होंने नहीं किया होता तो हम स्वतंत्रता का पूरा अर्थ खो देते। सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व सांसद अरविंद कुमार सिंह, सतेंद्र सिंह यादव भी शामिल रहे।

महाराष्ट्र विस अध्यक्ष को सुप्रीम आदेश

» शिवसेना शिंदे गुट के विधायकों की अयोग्यता पर 10 जनवरी तक लें फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना शिंदे गुट अयोग्यता मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। महाराष्ट्र स्पीकर की ओर से शिवसेना विधायक अयोग्यता मामले में विधानसभा सचिवालय ने सुप्रीम कोर्ट से 3 हफ्ते का समय बढ़ाने की गुहार लगाई है। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र स्पीकर को 10 जनवरी 2024 तक शिवसेना शिंदे गुट की अयोग्यता पर फैसला लेने को कहा है, इससे पहले कोर्ट ने स्पीकर को 31 दिसंबर तक अयोग्यता मामले पर फैसला देने के लिए कहा था। वहीं कोर्ट ने एनसीपी में टूट और अजीत पवार गुट की बगावत के मामले में स्पीकर को 31 जनवरी 2024 तक फैसला देने को कहा है। स्पीकर की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, स्पीकर राहुल नार्वेकर को 31 दिसंबर तक अयोग्यता पर फैसला करने का आदेश दिया गया था।

स्पीकर विधानसभा का सत्र चलने के दौरान भी सुबह 8 से रात 9 बजे तक इस इस मामले की सुनवाई करते रहे। अब तक 2.71 लाख पेज दाखिल किए गए हैं। अभी तक 839 सुनवाई हो चुकी हैं। स्पीकर ने 20 दिसंबर को कार्रवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखने की डेडलाइन तय की है। स्पीकर को आदेश देने के लिए तीन हफ्ते का वक्त चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम स्पीकर की ओर से अर्जी तलाश रहे थे। हमें अर्जी मिली नहीं। बाद में कोर्ट ने स्पीकर को फैसला लेने के लिए 10 जनवरी की मोहलत दे दी।

संक्षिप्त खबरें

राजस्थान की उन्नति एवं खुशहाली ही हमारा लक्ष्य: वसुंधरा

जयपुर। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने भजन लाल शर्मा को राजस्थान के नए सीएम पद की शपथ लेने पर बधाई दी है। वसुंधरा ने एक्स पर लिखा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बीजेपी परिवार के कर्मठ सदस्य भजन लाल शर्मा को हार्दिक बधाई और डिप्टी सीएम पद की शपथ ग्रहण क रने पर प्रेमचंद भैरवा और दीया कुमारी को हार्दिक शुभकामनाएं। राजस्थान हमारा परिवार है और इस परिवार की उन्नति एवं खुशहाली ही हमारा लक्ष्य रहा है, विश्वस्त हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान की नई सरकार उन्नति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ते हुए प्रदेश को विकास की नई बुलंदियों पर पहुंचाएगी।

सीएम मोहन यादव ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। प्रदेश के नव नियुक्त मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने शनिवार को भोपाल में स्थित शौर्य स्मारक पहुंचकर शहीदों को नमन किया। उन्होंने शौर्य स्तंभ पर पुष्प अर्पित कर 1971 भारत पाकिस्तान युद्ध की स्मृति में देश के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूर्व मंत्री विजय शाह भी मोजूद थे। इस मौके पर सीएम ने कहा कि आज भारत के गौरव का दिन है। आज सेना ने पाकिस्तान को दो हिस्सों में बांट दिया था। आज पराक्रम की पराकाष्ठा का दिन है। सेना के तीनों अंगों ने आज पराक्रम दिखाया था। हमारी सेना ने पाकिस्तान की 93 हजार -सैनिकों को बंधक बना लिया था। विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि पीएम मोदी चाहते हैं कि हम और अच्छा काम करें। उन्होंने लगातार काम के प्रति, विकास के प्रति, जो हमको दृष्टि दी है उससे भारत की स्थिति पूरे विश्व में बहुत अच्छी हुई है। प्रदेश सरकार - केंद्र सरकार के लोकप्रिय कामों को हम जनता तक पहुंचाना चाहते हैं। भारतीय जनता पार्टी सरकार की योजनाओं का लाभ नए लोगों को मिले यह हम कोशिश कर रहे हैं।

सुरक्षा चूक का सदन में जवाब दें गृहमंत्री : राघव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में चूक के बाद से विपक्षी दलों के नेता केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। इसी क्रम में आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि सरकार से जवाब मांगना राजनीति करना नहीं है, अगर सरकार से जवाब नहीं मांगेंगे तो किस से मांगेंगे। क्या सुरक्षा में चूक पर विपक्ष की चर्चा की मांग नाजायज है? अगर संसद सुरक्षित नहीं, तो क्या देश सुरक्षित है? यह बड़ा सवाल खड़ा होता है।

राघव चड्ढा ने आगे कहा कि सदन को भरोसे में लिया जाए और उस पर एक चर्चा हो यही हमारी मांग है, यह दलगत राजनीति की बात नहीं, सरकार को यह मांग स्वीकार करनी चाहिए। अगर कोई भाजपा के एमपी के हस्ताक्षर पर विजिटर गैलरी में आकर ऐसा कर सकता है तो ये सोचने वाली बात है कि कल को कुछ भी हो सकता है।

स्मृति ईरानी महिलाओं का दर्द नहीं समझतीं: के. कविता

मंत्री के बयान पर केसीआर की बेटी ने की आपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली/ हैदराबाद। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कामकाजी महिलाओं को पेड मेंस्ट्रूअल लीव यानी सवेतन मासिक धर्म अवकाश दिए जाने पर असहमति जताई है। उन्होंने कहा कि मेंस्ट्रूएशन महिलाओं के जीवन का नेचुरल पार्ट है, इसे दिव्यांगता यानी किसी तरह की कमजोरी की तरह नहीं देखा जाना चाहिए, पीरियड्स के दौरान ऑफिस से लीव मिलना महिलाओं से भेदभाव का कारण बन सकता है, स्मृति ईरानी के इस बयान पर तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर की बेटी के. कविता (च. ने आपत्ति जाहिर की है।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के कविता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट किया, मेंस्ट्रूएशन यानी मासिक धर्म कोई विकल्प नहीं है, यह एक बायोलॉजिकल रियलिटी है, पेड मेंस्ट्रुअल लीव से इनकार करना दरअसल अनगिनत महिलाओं के सहे जाने वाले वास्तविक दर्द को नजरअंदाज करना है। के. कविता ने कहा कि ईरानी की प्रतिक्रिया से बहुत हैरान और मायूस हैं। स्मृति ईरानी ने संसद में बुधवार को महिलाओं को पीरियड्स के दौरान पेड लीव (छुट्टी) दिए से जुड़े राष्ट्रीय जनता दल सांसद मनोज कुमार के सवाल पर जवाब दिया। स्मृति ईरानी ने संसद को बताया, पीरिएड्स एक शारीरिक घटना है। सिर्फ कुछ ही महिलाओं/लड़कियों को पीरिएड्स के दौरान गंभीर दर्द से गुजरना पड़ता है। इनमें से ज्यादातर मामले दवा से कंट्रोल में आ जाते हैं। ईरानी के इस बयान पर हैरानी जताते हुए के. कविता ने कहा, एक महिला के रूप में इस तरह की अज्ञानता को देखना भयावह है, हमारे संघर्षों के लिए... हमारी यात्रा के लिए... हम समान अवसर के हकदार हैं। इस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

स्वरोजगार करने वालों का हो रहा दमन : मायावती

» मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार के फैसले पर दिखीं नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भाजपा पर फिर एकबार हमला बोला है। बसपा सुप्रीमो ने कहा मध्य प्रदेश की नई भाजपा सरकार द्वारा बेरोजगारों व अन्य गरीब मेहनतकशों को रोटी-रोजी उपलब्ध कराने का जरूरी फैसला करने के बजाय, रोजगार के अभाव में मछली, अण्डा, मीट आदि का खुले में स्वरोजगार करने वालों पर दमन शुरू कर देना कितना उचित है? इस विवादित फैसले पर पुनर्विचार जरूरी है।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ही नहीं बल्कि सभी सरकारों से महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी आदि को दूर करने पर ही पूरी तन्मयता से काम करने की जरूरत। फिर भी इन वस्तुओं के खुले में व्यापार करने पर इतनी ज्यादा आपत्ति है तो उन्हें उजाड़ने से पहले दुकान एलाट करने की व्यवस्था सरकार क्यों नहीं करती? बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ही नहीं बल्कि सभी सरकारों से महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी आदि को दूर करने पर ही पूरी तन्मयता से काम करने की जरूरत। फिर भी इन वस्तुओं के खुले में व्यापार करने पर इतनी ज्यादा आपत्ति है तो उन्हें उजाड़ने से पहले दुकान एलाट करने की व्यवस्था सरकार क्यों नहीं करती?

जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनेगा बसपा सुप्रीमो का जन्मदिन

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती का 68वां जन्मदिन 15 जनवरी को सभी जिला मुख्यालयों पर धूमधाम से मनाया तो जाएगा, लेकिन अबकी इस मौके पर न केक कटेगा और न ही कंबल सहित कोई दूसरा सामान या मिठाई बांटी जाएगी। पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को अपने-अपने घर पर ही परिवार के साथ बहन जी (मायावती) के जन्मदिन का केक काटने के लिए कहा गया है। मायावती का जन्मदिन प्रत्येक वर्ष 15 जनवरी को जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। इस अवसर पर प्रदेशभर में आयोजनों के साथ ही बसपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मायावती खुद की लिखी ब्लू बुक (मेरे संघर्षमय जीवन एवं बीएसपी मूवमेंट का सफरनामा) का विमोचन करती रही हैं। बसपा प्रमुख पिछले एक वर्ष के दौरान पार्टी की गतिविधियों का पूरा लेखा-जोखा समेटे रहने वाली ब्लू बुक के 19वें भाग के हिंदी व अंग्रेजी संस्करण का इस बार विमोचन कर सकती हैं। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि अब बहन जी के जन्मदिन पर जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों के साथ ही कार्यकर्ता और समर्थक जुटेंगे। इस अवसर पर लोगों को चार बार की मायावती सरकार के निर्णयों और उपलब्धियों को बताया जाएगा। यह भी बताया जाएगा कि बसपा अब क्यों नहीं किसी पार्टी से गठबंधन करना चाहती है। गठबंधन से किस तरह बसपा को ही नुकसान होता रहा है। पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान केक काटने या फिर कंबल आदि वितरित करने के लिए चंदा वसूली न हो और वितरण से भगदड़ मचने की आशंका को देखते हुए ही बसपा प्रमुख ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि कार्यक्रम के बाद सभी अपने घर पर परिवार के साथ केक काटें और खुशियां मनाएं।

सदन से निलंबन पर सांसदों को नुकसान

अपनी बात को नियम के तहत सदस्यों को रखने की आजादी

» निलंबित करने का अधिकार लोस व रास अध्यक्ष का

» जानबूझकर काम में बाधा या हंगामा करने पर होती है कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में हुए घुसपैठ के बाद संसद में हुए हंगामें के बाद विपक्ष के 14 सांसदों को निलंबित कर दिया गया है। इस निलंबन को विपक्ष ने पक्षपाती बताया है। कांग्रेस समेत कई सियासी दलों ने संसद के पीठासीन अधिकारी द्वारा निलंबन की कार्रवाई पर सवालिया निशान लगा दिया। हालांकि इस तरह कह कार्रवाई के लए लोकसभा व राज्यसभा के अध्यक्ष अधिकृत हैं। वह चाहे तो किसी सदस्य को उसके आचरण पर कुछ समय के लिए निलंबित करें या पूरे सत्र में बाहर कर दे। इन सबकेबीच चर्चा ये भी हो रही है कि निलंबित हुए सांसदों को आखिर इस की तरह की कार्रवाई से क्या हानि पहुंचती हैं। सबसे बड़ी बात यह भी है कि एक ऐसे सांसद को भी निलंबित कर दिया है जो वंहा मौजूद नहीं था।

दरअसल, डीएमके सांसदों ने आरोप लगाया है कि पार्थिबन को सदन में मौजूद नहीं होने के बावजूद निलंबित कर दिया गया। सुरक्षा उल्लंघन पर गृह मंत्री अमित शाह से बोलने की मांग करते हुए विपक्षी सांसदों के हंगामे के बाद गुरुवार को संसद की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी। यह तब भी है जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दोहराया कि संसद परिसर की सुरक्षा लोकसभा सचिवालय की जिम्मेदारी है। सदन में गुरुवार सुबह उच्च सदन में ओब्रायन को शेष शीतकालीन सत्र के लिए सदन से निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया गया। अपने निलंबन से पहले, सांसद बुधवार के सुरक्षा उल्लंघन पर सरकार से बयान की मांग के साथ नारे लगाते हुए सदन के वेल में चले गए। ओब्रायन भी कुर्सी के सामने वाले क्षेत्र में चला गया और अपनी बाहें हवा में लहरा दीं। इससे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ नाराज हो गए और उन्होंने ओब्रायन का नाम लिया और उन्हें सदन छोड़ने के लिए कहा। अध्यक्ष द्वारा नामित व्यक्ति को उस दिन की कार्यवाही से खुद को अलग करना पड़ता है। इससे विपक्षी सदस्यों का विरोध और बढ़ गया और टीएमसी नेता सदन से बाहर नहीं निकले। विरोध के बीच सदन की कार्यवाही दोपहर तक के लिए स्थगित कर दी गई। दोपहर को सदन की बैठक शुरू होने के तुरंत बाद, धनखड़ ने ओब्रायन को कार्यवाही में बाधा डालने के खिलाफ फिर से चेतावनी दी। एक बार फिर उन्होंने टीएमसी नेता को सदन से बाहर जाने के लिए कहा क्योंकि विपक्षी सांसद अपना विरोध जारी रखे हुए हैं। इसके बाद सभापति ने सदन के नेता पीयूष गोयल को नियम 256 के तहत ओब्रायन को निलंबित करने के लिए प्रस्ताव पेश करने की अनुमति दी। ओब्रायन को शेष सत्र के लिए निलंबित करने के प्रस्ताव को ध्वनि मत से अपनाया गया और सभापति ने घोषणा की कि टीएमसी सांसद को सदन से निलंबित कर दिया गया है। इसके कारण अधिक विरोध हुआ और एक बार फिर स्थगन हुआ।

कार्यवाही में शामिल होने पर मिलने वाला भत्ते का नहीं मिलेगा लाभ

अक्सर कहा जाता है कि किसी सरकारी अधिकारी सस्पेंशन के बाद उनकी आधी सैलरी रुक जाती है, लेकिन क्या सांसद के सस्पेंशन के बाद उनके साथ ही ऐसा होता है?सांसदों को वेतन, भत्ता और पेंशन अधिनियम, 1954 के तहत कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। एक सांसद को एक लाख रुपए वेतन के अलावा कई तरह के भत्ते मिलते हैं। सस्पेंशन के बाद उन्हें कॉन्स्टीट्यूएंसी अलाउंस, कार्यालय और स्टेशनरी समेत अलग-अलग भत्ते मिलते रहेंगे। सिर्फ वही भत्ता नहीं मिलेगा जो बतौर सांसद सदन की कार्यवाही में शामिल होने के लिए मिलता है।

निलंबन से लोकतंत्र की हत्या हो रही : कांग्रेस

कांग्रेस ने निलंबन को लोकतंत्र की हत्या बताया और दावा किया कि भाजपा सरकार ने संसद को रबर स्टाम्प बना दिया है। संसद में चौंकाने वाले सुरक्षा उल्लंघन पर सरकार से जवाब मांगने के लिए विपक्षी सांसदों को निलंबित करना एक भयानक, अलोकतांत्रिक कदम है। एक ओर जवाबदेही की मांग करने पर पांच सांसदों को निलंबित कर दिया जाता है, वहीं दूसरी ओर उपद्रवियों के प्रवेश की सुविधा देने वाले भाजपा सांसद के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। यह लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा सरकार ने संसद को रबर स्टाम्प बनाकर रख दिया है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया का दिखावा भी नहीं बचा है। लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह सुरक्षा उल्लंघन के मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

कामकाज में बाधा डालने पर निलंबन का प्रावधान

जानबूझकर हंगामा करने या कामकाज में बाधा डालने पर सदस्यों को संसद के दोनों सदनों से निलंबित किया जा सकता है। लोकसभा में सांसदों को निलंबित करने का निर्णय अध्यक्ष का होता लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के नियम 375 के तहत अध्यक्ष को यह शक्ति दी गई है कि यदि सदन में कोई गंभीर अव्यवस्था उत्पन्न होती है तो वह कार्रवाई कर सके। नियम 374ए में कहा गया है कि यदि कोई सदस्य सदन के वेल में आता है या नियमों का पालन करने से इनकार करता है और जानबूझकर नारे लगाकर या अन्यथा सदन की कार्यवाही में बाधा डालता है, तो ऐसे सदस्य का नाम अध्यक्ष द्वारा लिया जाएगा और वह स्वचालित रूप से सदन से निलंबित हो जाएगा। लगातार पांच बैठकों या शेष सत्र के लिए सदन की सेवा, जो भी कम हो। हालाँकि, राज्यसभा में यह एक अलग खेल है। सभापति किसी सदस्य का नाम बता सकता है उस सदस्य का नाम बताएं जो सभापति के अधिकार की अवहेलना करता है या लगातार और जानबूझकर सदन में बाधा डालकर परिषद के नियमों का दुरुपयोग करता है। नियम संख्या 255 राज्यसभा के सभापति को किसी भी सदस्य को, जिसका आचरण उनकी राय में घोर अव्यवस्थित है, तुरंत सदन से बाहर जाने का निर्देश देता है। किसी भी सदस्य को इस प्रकार हटने का आदेश दिया गया है तो वह तुरंत ऐसा करेगा और दिन की शेष बैठक के दौरान अनुपस्थित रहेगा। अध्यक्ष उस सदस्य का नाम बता सकता है जो अध्यक्ष के अधिकार की अवहेलना करता है या लगातार और जानबूझकर कार्य में बाधा डालकर परिषद के नियमों का दुरुपयोग करता है। इसके बाद सदन सदस्य को शेष सत्र से अधिक समय के लिए सदन से निलंबित करने का प्रस्ताव अपना सकता है। सदन किसी अन्य प्रस्ताव के माध्यम से निलंबन वापस ले सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, नियम पुस्तिका अध्यक्ष को अपने निर्णय लागू करने का अधिकार देती है।

सरकार की नीतियों से बढ़ रहा आक्रोश

» यूपी में भी संसद में घुसपैठ पर नाराजगी

» सपा, कांग्रेस व रालोद ने मोदी सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संसद में हुए घुसपैठ के बाद पूरे देश में हंगामा बरपा हुआ है। ऐसे में यूपी के नेताओ समेत क्षेत्रीय दलों के नेताओ ने भी मोदी सरकार को घेर लिया है। प्रथम दृष्टया जो आरोपी पकड़े गए इनसे बातचीत से ऐसा लगता है कि वह सरकार से नाराज थे इसलिये उन्होंने इस तरह की घटना को अंजाम दिया। सपा, कांग्रेस, रालोद, शिव सेना उद्धवगुट सभी ने कहा है कि सरकार से `निराश की की वजह से ही यह वारदात हुई। संसद में दो युवकों की घुसपैठ की घटना के बाद यूपी के राजनीतिक दलों व नेताओं ने बीजेपी व केंद्र सरकार को जमकर कोसा है।

ये घटना व्यवस्था के दरवाजे पर चेतावनी की दस्तक है। उधर, समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने संसद कांड के बहाने भाजपा पर हमला बोलते हुए 'एक्स' पर लिखा कि ये कांड देश के विभिन्न अंचलो से आए पढ़े-लिखे बेरोजगार नौजवानों ने पेट की भूख व बेरोजगारी की पीड़ा का नतीजा है। मौर्या ने तंज कसा कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रस्तुत की जाने वाली उनकी भावनाओं को जब भी कुचलेंगे तो दर्द, पीड़ा व भावना व्यक्त करने का इससे बेहतर कोई और माध्यम हो ही नहीं सकता।

जो भावनाएं वे व्यक्त कर रहे हैं वह देश की हैं : राउत

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले युवा बेरोजगारी और महंगाई को लेकर देश में व्याप्त निराशा को व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में सेंध लगाने वाले लोग आतंकवादी नहीं थे। विपक्ष के कुछ सांसदों ने बृहस्पतिवार को कहा कि संसद की सुरक्षा में सेंध ने देश में बेरोजगारी के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित कर दिया है और सुरक्षा में खामियों को भी उजागर कर दिया है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्ष से कह रहे थे कि विधानसभा चुनाव में हार का गुस्सा संसद सत्र के दौरान बाहर न आने दें। अब, लोग खुद अपनी पीड़ा व्यक्त करने के लिए सदन में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा कक्ष में कूदने वाले लोगों ने संसद भवन की सुरक्षा में खामियों को उजागर किया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले युवा बेरोजगारी और महंगाई को लेकर देश में व्याप्त निराशा को व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में सेंध लगाने वाले लोग आतंकवादी नहीं थे। उन्होंने जो रास्ता अपनाया है। जो भावनाएं वे व्यक्त कर रहे हैं वह देश की हैं। बेरोजगारी, महंगाई, अस्थिरता और बेचैनी। वे बेरोजगार हैं। अगर युवाओं ने हताशा से यह रास्ता चुना है, तो यह शुरुआत है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि सुरक्षा उल्लंघन में शामिल युवा बेरोजगार थे और उनके पास पकौड़े बेचने की भी गुंजाइश नहीं थी।

बेरोजगारी व पेट की भूख की पीड़ा के दर्द से भी जोड़कर देखें : स्वामी प्रसाद

स्वामी प्रसाद मौर्य के मुताबिक पीड़ा प्रकट करने के लिए संसद के अंदर और बाहर जो कुछ भी किया उसे केवल संसद की गरिमा व कानून के चश्मे से ही नहीं देखना चाहिए बल्कि उनकी बेरोजगारी व पेट की भूख की पीड़ा के दर्द से भी जोड़कर देखा जाना चाहिए। आगे लिखा कि बड़ी-बड़ी डिग्रियां लेने वाले देश के युवा यदि सड़क पर दर-दर ठोकरे खाएंगे, भूख से बिलबिलाएंगे, बेरोजगारी की पीड़ा झेलेंगे तो हम उनसे सदाचरण की उम्मीद नहीं कर सकते। उन्होंने ये भी लिखा कि हिन्दी जगत के महान साहित्यकार व लेखक, मुंशी प्रेमचंद जी ने भी कहा था कि 'जिस बंदे को पेट भर रोटी नहीं मिलती उसके लिए मर्यादा और इज्जत ढोंग है' यद्यपि कि कृत्य औचित्यपूर्ण नहीं है, फिर भी प्रकरण पर सहानुभूति व संवेदनशीलता के साथ विचार किया जाना चाहिए।

सरकार को सोचना पड़ेगा क्या गलत हो रहा है : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने माइक्रो ब्लागिंग साइट 'एक्स' पर लिखा है कि लोकसभा में दो युवकों का विजिटर गैलरी से कूदना, संसद की सुरक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ है। ये एक गंभीर सुरक्षा चूक है। इसकी तत्काल जाँच की जाए। भाजपा सांसद की सिफारिश पर बने प्रवेश पत्र पर उन्होंने कहा कि जिनकी वजह से ये अंदर प्रवेश कर सके, उन सबके खिलाफ़ दंडात्मक कार्रवाई हो। साथ ही कहा कि ये घटना देशभर के अलग-अलग जगहों और प्रदेशों से इकट्ठा युवा मन की हताशा का परिणाम है। ये घटना स्वयं में निंदनीय होते हुए इन अर्थों में चिंतनीय भी है कि यदि इसी प्रकार युवाओं को वर्तमान से निराशा और भविष्य से नाउम्मीदगी हुई तो ये देश के लिए अच्छा नहीं होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शीर्ष जगहों पर भी महिलाओं से शोषण अक्षम्य

दरअसल कर्नाटक के बेलगावी जिले के एक गांव में एक महिला के साथ कथित तौर पर मारपीट और उसे निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर की। कर्नाटक हाईकोर्ट ने इसे असाधारण मामला करार देते हुए कहा, इसके साथ हमारे हाथों असाधारण व्यवहार किया जाएगा।

जहां देश में हर तरफ महिलाएं बढ़ रही है वहीं दो घटनाओं से महिलाओं पर हो रहे अत्याचार से नीति नियंताओं की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। पहली घटना में कर्नाटक में एक महिला को निर्वस्त्र करके घुमाया गया जबकि दूसरी घटना यूपी केएक अदालत के महिला जज की है जिन्होंने अपने ही जिला जज पर शोषण का आरोप लगाया है। हालांकि दोनों ही मामले में कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए तुरंत कार्रवाई की है। दरअसल कर्नाटक के बेलगावी जिले के एक गांव में एक महिला के साथ कथित तौर पर मारपीट और उसे निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर की। कर्नाटक हाईकोर्ट ने इसे असाधारण मामला करार देते हुए कहा, इसके साथ हमारे हाथों असाधारण व्यवहार किया जाएगा। बता दें कि यह घटना 11 दिसंबर की सुबह उस महिला के पुत्र के एक लड़की के साथ भाग जाने के बाद हुई। पुलिस ने बताया कि लड़की की सगाई किसी और से होने वाली थी। इसके बारे में पता चलने पर लड़की के परिवार वालों ने न्यू वंटामुरी गांव स्थित लड़के के घर पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दियाद्ध इसके साथ ही लड़के की मां के के साथ कथित तौर पर मारपीट की और उसे घसीट कर ले गए, उसे निर्वस्त्र कर घुमाया और बिजली के खंभे से बांध दिया।

इस मामले को लेकर कर्नाटक हाईकोर्ट की एक बेंच ने बेलगावी के पुलिस आयुक्त को भी तलब किया है। इसके तहत सहायक पुलिस आयुक्त को 18 दिसंबर को अतिरिक्त रिपोर्ट दाखिल करने के लिए व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होना होगा। एडवोकेट जनरल ने गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना की खंडपीठ बी वराले और न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित के समक्ष घटना पर की गई कार्रवाई के बारे में एक ज्ञापन और कुछ दस्तावेज सौंपे हैं। वहीं उत्तर प्रदेश की महिला जज की इच्छामृत्यु वाली वायरल चिट्ठी के बाद से न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल उठ रहा है। इस वायरल चिट्ठी पर सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से रिपोर्ट तलब की है। सूत्रों के मुताबिक, देर रात सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट सेकेट्री जनरल अतुल एम कुरहेकर को इलाहाबाद हाई कोर्ट प्रशासन से स्टेटस रिपोर्ट मांगने का आदेश दिया। सेकेट्री जनरल ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र लिखकर महिला जज द्वारा दी गई सारी शिकायतों की जानकारी मांगी। इसके साथ ही शिकायत से निपटने वाली आंतरिक शिकायत समिति के समक्ष कार्यवाही की स्थिति के बारे में भी पूछा। जिले में तैनात एक महिला जज की वायरल हो रही एक चिट्ठी में दावा किया कि एक पोस्टिंग के दौरान जिला जज और उनके करीबियों ने उनके साथ मानसिक और शरीरिक शोषण किया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

औपनिवेशिक विभाजन के मंसूबों को हवा

बृज किशोर कुठियाला

भारत के जनमानस में रंग, जाति, क्षेत्र और प्रांत के आधार पर भेद उत्पन्न करने के प्रयास वर्षों से होते रहते हैं। हाल ही में राष्ट्रीय विमर्श में दक्षिण भारत व उत्तर भारत की अलग-अलग पहचान व व्यवहार का विषय उभर कर आया है। ऐसे प्रयासों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। देश को उत्तर-दक्षिण में बांटने का सुनियोजित प्रयास अठारहवीं शताब्दी में हुआ। यूरोप के कुछ इतिहासकारों ने उन्नीसवीं शताब्दी में भारत के उत्तर व दक्षिण में भेद उत्पन्न करने की मंशा से ये तर्क दिये कि मध्य एशिया से कई कबीलों ने उत्तर भारत पर आक्रमण किए और वहां के लोगों को दक्षिण में खदेड़ दिया। इन काल्पनिक विदेशी कबीलों को नाम दिया आर्य। पुरातत्व के अपुष्ट प्रमाण देते हुए मार्टिमर व्हीलर के इस भ्रम को सच बनाने का प्रयास हुआ कि मोहनजोदड़ो व हड़प्पा संस्कृतियों को इन आर्यों ने नष्ट किया।

मैक्स मूलर ने भी पहले तो इस असत्य को प्रचारित किया, बाद में स्वयं स्वीकारा कि उसने और उसके साथियों ने गलत इतिहास गढ़ा था क्योंकि व्हीलर के प्रस्ताव में समय के आंकलन का दोष था। दरअसल, गढ़े प्रमाणों से कहीं भी सिद्ध नहीं होता कि उत्तर भारत से जनसंख्या का दक्षिण की ओर पलायन हुआ हो। दरअसल, यूरोप के विद्वानों ने ऐसा इसलिए किया, जिससे ब्रिटेन के भारत पर कब्जे को सही ठहराया जा सके। तर्क दिया कि भारतीय भी बाहर से आए, मुस्लिम भी बाहर से आए- इसलिए अब हमारा इस भूमि पर राज करना तार्किक है। कालांतर में पुरातन शोध, भाषाओं के इतिहास व बाद में जीन-पूल के अध्ययनों ने आर्यों के बाहर से आने की बात को समूल गलत सिद्ध कर दिया। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व वैज्ञानिक दृष्टि से यह स्थापित है कि सम्पूर्ण भारतीय उपमहाद्वीप एक ही मानव नस्ल है। स्वाधीनता के बाद तो दक्षिण-उत्तर की एकता व एकात्मकता और भी स्पष्ट और सुदृढ़ हो गई। आज दुनियाभर के निष्पक्ष इतिहासकार आर्य शब्द को संज्ञा न मानकर इसे संस्कृत भाषा का विशेषण बताते हैं जिसका अर्थ है श्रेष्ठ व्यक्ति। अंग्रेजों की इस चाल के चलते द्रविड़ भारत की अलग पहचान पर बहुत राजनीति हुई।

पिछली शताब्दी के उत्तरार्ध में द्रविड़ अभियान ने दक्षिण के भारतीयों को फिर से भ्रमित करने का प्रयास किया परन्तु कुछ ही समय में जनमानस ने उसे नकार दिया। साथ ही सिद्ध किया

कि भारत के समस्त लोक का मन तो एक ही है। आजकल नये तर्कों व कुतर्कों के साथ दक्षिण-उत्तर भेद को राजनीतिक मुद्दा बनाने का फिर से प्रयास हो रहा है। तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर या केवल गढ़े हुए झूठ के सहारे भ्रम फैलाने का प्रयास है। कहा गया है कि उत्तर भारत के लोग जीवनयापन के लिए दक्षिण में आते हैं। यह सच्च हो सकता है कि सारे देश से लोग बेंगलुरू, हैदराबाद आदि स्थानों पर काम के लिए जाते हैं परन्तु उससे अधिक तो केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक व तेलंगाना से उत्तर, पश्चिम, पूर्व व मध्य भारत में जाते हैं। दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता में तो दक्षिण भारतीय समाजों की अपनी-अपनी पहचान है। यह मानना कि दक्षिण में कार्यरत उत्तरी भारत के लोगों ने चुनाव में निर्णयात्मक भूमिका निभाई, अपने आप में हास्यास्पद है। एक अन्य राजनीतिक वक्तव्य में उत्तर भारत के लोगों को गाय का मूत्र पीने वाला बताया गया। गोमूत्र के प्रयोग को किसी भौगोलिक क्षेत्र से जोड़ना हास्यास्पद तो है ही परन्तु कहने वालों के दक्षिण भारतीयों के विषय में अज्ञान को भी झलकाता है। गाय के प्रति दक्षिण के लोगों के वही भाव हैं जो उत्तर भारत के जनमानस में। दक्षिण में गोशालाओं की भरमार है और गाय के मूत्र, गोबर आदि से बने उत्पादों का बहुत बड़ा बाजार है। तिरुपति के देवस्थान पर भी गाय के दूध, दही, मूत्र, गोबर व घी से 85 आयुर्वेदिक दवाइयां बनती हैं। हां, ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है जो अपने मजहबी विश्वास के आधार पर या अन्यथा गाय को पवित्र नहीं मानते, परन्तु यह लोग तो पूरे देश में हैं, केवल दक्षिण में हों, ऐसा नहीं है। जो भेद चुनींदा राजनीतिज्ञ सिद्ध करना चाह रहे हैं वह शासन, प्रशासन, सेना, निजी क्षेत्र में कहीं भी दिखता नहीं है। काल्पनिक और गढ़े हुए झूठों के सहारे लोक के मन को भ्रमित करना यदि अपराध नहीं तो अनैतिक व शरारतपूर्ण तो है ही।

एक हास्यास्पद विमर्श बनाने का विषय यह भी है कि दक्षिण के मतदाता अधिक समझदार और परिपक्व हैं। आम विवेक की बात है कि राजनीतिक समझ जाति, नस्ल, क्षेत्र व प्रांत के अनुसार तो हो नहीं सकती। एक नया विवाद तेलंगाना में बिहार के प्रवासियों से सम्बंधित उठ खड़ा हुआ है। यह कहना कितनी नासमझी है कि एक प्रांत के नागरिकों का डीएनए दूसरे प्रांत के लोगों के डीएनए से बेहतर है। ऐसा तो कभी गोरों और अफ्रीका के निवासियों के विषय में भी कहने की गलती नस्लवादियों व कट्टरपंथियों ने भी नहीं की है।

निवेश में अतिरिक्त सावधानी से ही सुरक्षा

मधुरेन्द्र सिन्हा

शेयर बाजारों में खासी तेजी है। सेंसेक्स उन ऊंचाइयों पर जा पहुंचा है जहां निवेशकों के वारे-न्यारे हो रहे हैं। इसी तेजी को देखते हुए बड़े पैमाने पर आईपीओ यानी पब्लिक इश्यू लाये जा रहे हैं। वर्ष 2013 में इतनी कंपनियों के आईपीओ आये कि एक रिकॉर्ड हो गया। लगभग सभी क्षेत्रों की कंपनियों ने इस मार्केट में गोता लगाया, जिनमें कुछ कंपनियां तो ऐसी भी थीं जो महज अपने वैल्यूएशन के बल पर मैदान में उतरी थीं। बाद में उनका मुलम्मा उतर गया और उनके निवेशकों की आंखों में आंसू आ गये। बहरहाल, यह कवायद जारी है और बड़े पैमाने पर पब्लिक इश्यू बाजार में आ रहे हैं। इनमें से तो कई ऐसे हैं जिन्हें 2023 में ही आना था, लेकिन वे आ नहीं पाये और अब नये साल में कदम रखेंगे। इनकी भी तादाद अच्छी-खासी है और कइयों का वजन भी खूब है। अभी और 2024 में कई कंपनियां प्राइमरी मार्केट में आ रही हैं।

आशय यह है कि प्राइमरी मार्केट में इस समय काफी भीड़ है और हर कंपनी इसका फायदा उठा लेना चाहती है। काफी समय से लंबित कंपनियां भी अब जाग्रत हो गई हैं और अपने-अपने इश्यू लेकर आ रही हैं। अब लाख टके का सवाल है कि व्यक्तिगत निवेशक कहां जाये और क्या खरीदारी करे? आम निवेशक बहुत समझदार नहीं होता है और न ही उसे पैसे का गणित समझ में आता है। वह अपने पैसे दुगने-तिगने करने के बारे में सोचता है और जिस कंपनी की चमक-दमक उसे दिखती है, वह उसमें ही पैसे लगा देता है। बाद में उसे पछतावा होता है कि कैसे एक जानी-मानी कंपनी में पैसे लगाने के बाद उसकी रातों की नींद हराम हो गई। प्राइमरी मार्केट का फॉर्मूला हर किसी की समझ में नहीं आता है और लोग परेशान होते रहते हैं। इसका कारण है कि आईपीओ बाजार में उतरी हर कंपनी अपने ढंग से दावे करती है और उनके पीछे ब्रोकर तथा अन्य तरह की वित्तीय कंपनियां भी होती हैं जिन्हें अंडरराइटर कहते हैं। इनके सहारे उनका तो बेड़ा पार हो जाता है लेकिन बेचारा निवेशक फंस जाता है।

अगर आप याद करें तो याद आयेगा। नब्बे का दशक। उस समय शेयर बाजारों में एक तूफान आया था जिसमें निवेशकों के अरबों रुपये डूब गए। उस समय सेबी के नियम-कानून ऐसे थे कि कोई भी कंपनी शेयर बाज़ार में उतर सकती थी। इसका नतीजा यह हुआ कि सैकड़ों कंपनियां न्यूनतम योग्यताओं के साथ बाजार में उतरीं और उसमें से ज्यादातर पैसे बटोरकर फरार हो गईं। इन्हें फ्लाई बाई नाइट कंपनियां कहा जाता था क्योंकि आईपीओ के पैसे बैंक में आते ही ये फुर्र हो जाती थीं और फिर उनके ऑफिस में ताला लग जाता था। ऐसी कई कंपनियों ने मर्चेंट बैंकर्स के साथ मिलकर शेयर बेचे, जिनसे निवेशकों के पैसे डूब गये। सरकारी एजेंसियां इन कंपनियों के प्रमोटरों को ढूंढ़ती रह गईं लेकिन उनमें से कई तो भारत छोड़कर जा चुके थे। दरअसल, जब निवेशकों ने शोर मचाना शुरू किया और मीडिया में खुलकर बात सामने आने लगी तो फिर सरकार जागी। सेबी ने नियम बदलने शुरू कर दिये। शेयर बाजार में उतरने की पात्रता में काफी बदलाव किये गये।

उन कंपनियों को आने से रोक दिया गया जो कम से कम तीन साल से काम न कर रही हों और उनके बैलेंस शीट में लाभ न दिख रहा हो। इसका परिणाम यह हुआ कि एक बाधा आ गई। इसके अलावा डीमैटिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। हालांकि शुरू में इसका बाजार पर बुरा असर पड़ा क्योंकि लोग शेयरों को डीमैट करने से हिचकिचा रहे थे। सेबी ने शेयर बाजार में उतरने वाली कंपनियों की आर्थिक सेहत के बारे में कई तरह की शर्तें रखीं जिससे वे गड़बड़ नहीं कर पायें। इन कदमों का फायदा हुआ और आईपीओ की बाढ़ रुक गई। हालांकि, इस समय पहले जैसे हालात नहीं हैं लेकिन कई कंपनियां अपना खेल कर ही जाती हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां भी इनमें शामिल हैं। ये शेयर बाजार से पैसे तो उगाह लेती हैं लेकिन पैसे फिर इधर-उधर लगा देती हैं। एक बहुत बड़े प्राइवेट बैंक की एक सहयोगी कंपनी को इसमें काफी जुर्माना लगा क्योंकि उसने आईपीओ से प्राप्त राशि दूसरी कंपनी में लगा दी जबकि सेबी के कानूनों के अनुसार यह गलत है। इस तरह के कई मामले सामने आये और सेबी ने कार्रवाई की। लेकिन फिर भी कुछ कंपनियों ने अपनी आर्थिक हैसियत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाई। आंकड़ों में एक तरह से हेराफेरी की और अपने को जबर्दस्त विज्ञापनों के साथ पेश किया। इनमें से कई चर्चित शेयरों के निवेशकों को जबर्दस्त धक्का लगा।

इन कंपनियों के वैल्यूशन बहुत ज्यादा किये गये थे जो बढ़ा-चढ़ाकर पेश किये गये थे। निवेशकों ने इनमें खुलकर पैसा लगाया और बदले में बुरी तरह से मार खाई। पेटीएम के शेयरों में जो गिरावट आई उसका खमियाजा निवेशकों ने भुगता। निवेशकों को खासा चूना लगा है। आईपीओ लाने के समय में कंपनी ने अपना वैल्यूशन इतना ज्यादा बताया जिससे निवेशक फंस गये और अब इससे निकलने का कोई जरिया नहीं है। फैशन की दुनिया में एक कंपनी का उदय हुआ जिसका नाम है नायका। इसकी पब्लिसिटी जमकर हुई और कंपनी ने 5,235 करोड़ रुपये का अपना पब्लिक इश्यू जारी किया। लेकिन लिस्टिंग के बाद इसके शेयर आधे से कम दाम पर चले गये। निवेशकों की गाढ़ी कमाई लुट गई और निकट भविष्य में उनकी वापसी का रास्ता नहीं है। बजाज कॉर्प भी एक उदाहरण है जिसने स्टॉक मार्केट में धूम-धड़ाके से प्रवेश किया। बाद में उसके शेयर औंधे मुंह गिर गये। ऐसी कंपनियों की सूची लंबी है और निवेशक उसमें फंसे पड़े हैं।

स्टैमिना और इम्यूनिटी होगी मजबूत

करें ये योगासन

आज कल की भागमभाग जिंदगी में स्वस्थ रहना है, तो योग करना बहुत जरूरी है। योग करन से कई तरह की बामीरियों से आप बचे रहते हैं। माना जाता है कि योग मानव जीवन का एक अहम हिस्सा है। वर्तमान समय में योगा का महत्व काफी बढ़ गया है। आप अपने जीवन में योग शामिल कर स्वस्थ रह सकते हैं। इसके साथ ही योगा करने से शरीर की इम्यूनिटी बढ़ती है। इसके साथ ही इन योग को करने से स्टैमिना बढ़ता है। स्टेमिना व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक ऊर्जा की मात्रा को दर्शाने वाला शब्द है, जो व्यक्ति की लंबे समय तक कार्य करने की क्षमता के बारे में बताता है। कितनी लंबी दौड़, कितने लंबे समय तक व्यायाम और कितनी देर कामकाज करने में सामर्थ्य ही स्टेमिना है। कमजोर स्टेमिना के कारण जल्दी थकान, सांस लेने में कठिनाई, दैनिक गतिविधियों में कमी और ऊर्जा में कमी महसूस होती है।

उत्कट कोणासन

योगासन को करने से मांसपेशियों में मजबूती आती है। इससे पैर और टांगों में होने वाला दर्द दूर रहता है। इससे मन शांत रहता है और नियंत्रण में रहता है। इससे आपके फोकस बढ़ता है। योग से पीठ का दर्द भी ठीक होता है। गर्भवती महिलाओं के लिए भी उत्कट कोणासन एक लाभदायक योग मुद्रा हो सकती है। हालांकि, डॉक्टर से सलाह लेकर ही उन्हें यह योगाभ्यास करना चाहिए। उत्कट कोणासन सिर्फ शारीरिक समस्याओं के लिए ही नहीं मानसिक रोगों को दूर करने के लिए भी काफी प्रभावी है। इसकी मदद से चिंता, तनाव व डिप्रेशन आदि के लक्षणों को कम किया जा सकता है। हालांकि, उत्कट कोणासन से प्राप्त होने वाले स्वास्थ्य लाभ पूरी तरह से योगासन के तरीके और आपकी स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करते हैं।

सेतुबंधासन

इस योगासन से आपके पेल्विक फ्लोर मसल्स को मजबूत बनाता है। इसके साथ ही इस आसान से पीरियड के दौरान होने दर्द कम होता है, जिससे आपको काफी हद तक आराम मिलेगा। इस आसन से आपके बाजुओं में होने वाली स्टिफनेस भी कम होता है। योग भारत की ऐसी प्राचीन पद्धति है, जोकि तन और मन दोनों को स्वस्थ रखती है। आजकल के मॉर्डन लाइफस्टाइल में लोग फिट और स्वस्थ रहने के लिए ज्यादातर जिम की तरह आकर्षित होते हैं लेकिन फिट और स्वस्थ रहने के लिए योग से अच्छा कुछ और हो ही नहीं सकता।

हनुमानासन

इस आसन से शरीर के नीचे वाला भाग मजबूत होता है और साथ ही यह आपके दिमाग को भी शांत रखता है। इससे शरीर में होने वाला दर्द दूर होता है। इससे आपका स्टैमिना भी बढ़ता है। इस आसन के अभ्यास से पेट के निचले भाग में भी उद्दीपन होता है और वहां के बाकी अंगो के काम में सुधार आता है इसके अलावा इससे कूल्हे की मांसपेशियां भी लचीली हो जाती हैं। इसके अभ्यास से नाभि के निचले भाग की हड्डियां लचीली बनती हैं। यह साइटिका की समस्या में होने वाले दर्द या फिर नर्वस सिस्टम के दर्द को समाप्त कर देता है। इसके नियमित अभ्यास से महिलाओं की कमर पतली हो जाती है और मांसपेशियां शक्तिशाली होती है। स्त्रियों की सारी बीमारियां जैसे मासिक धर्म सम्बन्धी व रक्त स्त्राव आदि भी इस आसान की मदद से दूर हो।

बालासन

बालासन को करने से शरीर की सुस्ती और थकान दूर होती है। शरीर स्वस्थ रहता है और दिमाग को तरोताजा रखने के लिए बालासन सबसे अच्छा है। बालासन आपकी पीठ को स्ट्रेच करने में मदद करता है अपनी रीढ़ को मजबूत करें। इससे पीठ के निचले हिस्से के दर्द में भी मदद मिलती है। बच्चे की मुद्रा आपके पेट क्षेत्र की धीरे-धीरे मालिश करें, जो पाचन में मदद करता है और साथ में मदद भी करता है सूजन और गैस। जैसे ही आप धीरे-धीरे सांस लेते हैं, यह आपके आंतरिक अंगों को आराम और आराम देता है, जिससे आप शांत रहते हैं और आपको बेहतर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।

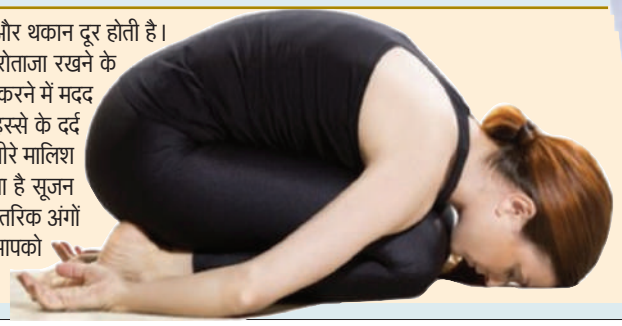

हंसना मना है

पति- अगर मै मर गया तो तुम दूसरी शादी करोगी? वाईफ- नहीं, मैं अपनी बेहेन के साथ पूरी जिन्दगी रह लुंगी। वाईफ- अगर मैं मर गयी तो तुम दूसरी शादी करोगे? हसबंड - मैं भी तुम्हारी बेहेन के साथ पूरी जिन्दगी रह लूंगा।

पहला दोस्त- 'यार मैं जिस लड़की को चाहता हूं, उसने मुझसे शादी नहीं की। दूसरा दोस्त- ' तुमने उसे बताया के तेरा चाचा करोड़पती है? पहला दोस्त :' हां मेने बताया था। दूसरा दोस्त - 'तो फिर पहला दोस्त - अब वो मेरी चाची है।

आजकल दो चीज सिर्फ किस्मत वालो को ही मिलती है.. एक तो जंगल में घुमता सफेद हाथी..! और दुसरा बिना अफेयर वाला जीवन साथी।

पति मरते वक्त बीवी से- अलमारी से तेरा गोल्ड सेट मैंने ही चोरी किया था! बीवी रोते हुए- कोई बात नहीं जी, पति- तेरे भाई ने तुझे 1 लाख अमानत दी थी, वो भी मैने गायब की! बीवी- मैने आपको माफ किया! पति- तेरी कमेटी के पैसे भी मैने ही चोरी किये थे! बीवी- कोई बात नहीं जी, आपको जहर भी मैंने ही दिया है।

टीचर- बताओ सबसे नशीला पदार्थ कौनसा होता है? पप्पु - किताब है सर, साला खोलते ही नींद आ जाती है।

कहानी | महिलामुख हाथी

बहुत समय पहले की बात है राजा चन्द्रसेन के अस्तबल में एक हाथी रहता था। उसका नाम था महिला मुख। महिला मुख हाथी बहुत ही समझदार, आज्ञाकारी और दयालु था। उस राज्य के सभी निवासी महिला मुख से बहुत प्रसन्न रहते थे। राजा को भी महिला मुख पर बहुत गर्व था। कुछ समय बाद महिला मुख के अस्तबल के बाहर चोरों ने अपनी झोपड़ी बना ली। चोर दिनभर लूट-पाट और मार-पीट करते और रात को अपने अड्डे पर आकर अपनी बहादुरी का बखान करते थे। चोर अक्सर अगले दिन की योजना भी बनाते कि किसे और कैसे लूटना है। उनकी बातें सुनकर लगता था कि वो सभी चोर बहुत खतरनाक थे। महिला मुख हाथी उन चोरों की बात सुनता रहता था। कुछ दिन बाद महिला मुख पर चोरों की बातों का असर होने लगा। महिला मुख को लगने लगा कि दूसरों पर अत्याचार करना ही असली वीरता है। इसलिए, महिला मुख ने फैसला लिया कि अब वो भी चोरों की तरह अत्याचार करेगा। सबसे पहले महिला मुख ने अपने महावत पर वार किया और महावत को पटक-पटक कर मार डाला। इतने अच्छे हाथी की ऐसी हरकत देखकर सारे लोग परेशान हो गए। महिला मुख किसी के काबू में नहीं आ रहा था। राजा भी महिला मुख का ये रूप देखकर चिंतित हो रहे थे। फिर राजा ने महिला मुख के लिए नए महावत को बुलाया। उस महावत को भी महिला मुख ने मार गिराया। इस तरह बिगड़ैल हाथी ने चार महावत कुचल दिए। महिला मुख के इस व्यवहार के पीछे क्या कारण था यह किसी को समझ नहीं आ रहा था। जब राजा को कोई रास्ता नहीं सूझा, तो उसने एक बुद्धिमान वैद्य को महिला मुख के इलाज के लिए नियुक्त किया। राजा ने वैद्य जी से आग्रह किया कि जितनी जल्दी हो सके महिला मुख का इलाज करें, ताकि वो राज्य में तबाही का कारण नहीं बन सके। वैद्य जी ने राजा की बात को गंभीरता से लिया और महिलामुख की कड़ी निगरानी शुरू की। जल्द ही वैद्य जी को पता चल गया कि महिला मुख में ये परिवर्तन चोरों के कारण हुआ है। वैद्य जी ने राजा को महिला मुख के व्यवहार में परिवर्तन का कारण बताया और कहा कि चोरों के अड्डे पर लगातार सत्संग का आयोजन कराया जाए, ताकि महिला मुख का व्यवहार पहले की तरह हो सके। राजा ने ऐसा ही किया। अब अस्तबल के बाहर रोज सत्संग का आयोजन होने लगा। धीरे-धीरे महिलामुख की दिमागी हालत सुधरने लगी। कुछ ही दिनों में महिला मुख हाथी पहले जैसा उदार और दयालु बन गया। अपने पसंदीदा हाथी के ठीक हो जाने पर राजा चंद्रसेन बहुत प्रसन्न हुए। चन्द्रसेन ने वैद्य जी की प्रशंसा अपनी सभा में की और उन्हें बहुत से उपहार भी प्रदान किए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहने वाला है। आज आपके द्वारा किए गए कार्यों से आपकी सराहना होगी। दांपत्य जीवन में भी आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

वृषभ

आज आप कुछ नया करने की सोचेंगे। सूझ-बूझ से काम लेंगे, तो आय के स्त्रोत बढ़ेंगे। अपनी मेहनत के बल पर अपने कार्य समय रहते पूरा करने में सफल होंगे।

मिथुन

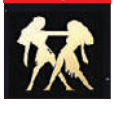

आज का दिन बेहतर रहने वाला है। आज आपके कैरियर में आपको कोई ऐसा अवसर मिल सकता है, जो आपको चरम पर पहुंचाएगा, जिसके कारण आप प्रसन्न रहेंगे।

कर्क

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। घर में किसी बड़े की सलाह लेकर ही आपको कोई कदम उठाना चाहिए। कामकाज ज्यादा होने से ज्यादा व्यस्त रहेंगे।

सिंह

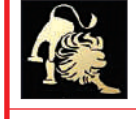

आज परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होंगे, जिसमें दान पुण्य कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे या उसमें कुछ धन भी व्यय करेंगे।

कन्या

तनाव काफी हद तक खत्म हो जाएगा। पैसे कमाने के कई नए मौके मिलेंगे। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें शोहरत और पहचान भी मिलेगी।

तुला

आज का दिन आपके वैवाहिक जीवन में कुछ उथल पुथल लेकर आएगा, इसलिए आज आपको उसमें सामंजस्य बिठाने की पूरी कोशिश करनी होगी।

वृश्चिक

आज आपका दिन शानदार रहेगा। शाम तक आपको कोई अच्छी खबर मिलेगी। संचार-साधनों से आपको फायदा होगा। आप दोस्तों के साथ पार्टी करेंगे।

धनु

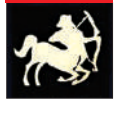

आज का दिन कारोबार में मन मुताबिक लाभ मिलने के कारण परेशानी भरा रहेगा। यदि विद्यार्थी हैं, जो किसी नए कोर्स में दाखिला लेना चाहते हैं।

मकर

आज आपका दिन धार्मिक गतिविधियों में बीतेगा। जमीन- जायदाद के कागजात को संभाल कर रखें। अपने आस-पास हो रही एक्टिविटी पर नजर रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ

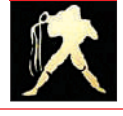

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपकी मुलाकात किसी पुराने परिचित से होगी, जिससे आपके गिले-शिकवे भी दूर होंगे और आपका दिन बेहतर होगा।

मीन

अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। माता-पिता आपकी खुशी देखकर प्रसन्न होंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी, उनके साथ आप देर तक बात करेंगे।

एनिमल में इंटीमेट सीन के लिए तृप्ति ने ली थी मोटी फीस

बॉलीवुड | मसाला

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर सारे रिकॉर्ड्स तोड़ दिए हैं। फिल्म का हर किरदार जबरदस्त सुर्खियां बटोर रहा है। रणबीर कपूर और बॉबी देओल के खूंखार अंदाज ने तो पहले ही दर्शकों को कायल बना दिया था। वहीं, बेशक फिल्म में रश्मिका मंदाना ने लीड एक्ट्रेस के तौर पर काम किया है, लेकिन छोटे से रोल में नजर आईं तृप्ति ने दर्शकों पर ऐसी अपनी छाप छोड़ी कि वह रातों-रात नेशनल क्रश बन गईं।

फिल्म में रणबीर के साथ तृप्ति इंटिमेट सीन ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। इसके बाद से ही एक्ट्रेस हर दिन लगातार किसी न किसी कारण खबरों में बनी हुई हैं। अब तृप्ति की फीस को लेकर खबर आने लगी है। हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तृप्ति ने एनिमल में एक छोटे से रोल के लिए करीब 40 लाख रुपए फीस ली है।

हालांकि, फिलहाल तृप्ति की इस फीस को लेकर एक्ट्रेस या फिल्म की टीम की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है। बता दें कि एनिमल के कारण तृप्ति की पॉपुलैरिटी में अचानक ही चार चांद लग गए हैं। सोशल मीडिया पर भी लगातार उनके फॉलोअर्स की लिस्ट लंबी होती जा रही है। इसके अलावा ढ्ढरूष्ठक्च पर भी तृप्ति मोस्ट पॉपुलर स्टार बन गई हैं।

इन फिल्मों में दिख सकती हैं तृप्ति

गौरतलब है कि एनिमल से पहले तृप्ति बुलबुल और कला जैसी फिल्मों में भी अपनी जबरदस्त अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत चुकी है। उन्होंने अब तक अपने हर रोल को पूरी शिद्दत से निभाया है। हालांकि, एनिमल ने पहले उनके किसी भी रोल को इतनी पॉपुलैरिटी नहीं मिली थी। अब एक्ट्रेस को लगातार कई प्रोजेक्ट्स के लिए साइन किया जा रहा है। खबर है कि जल्द ही तृप्ति को मेरे महबूब मेरे सनम और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो टाइटल से बन रही फिल्मों में भी देखा जाने वाला है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने केआरके के कहने पर उमर का गाना गाया : सोनू

सोनू निगम आज किसी परिचय के मोहताज नहीं है। सोनू निगम इंडस्ट्री के बेहतरीन सिंगर में से एक हैं जिन्होंने अपने सुरो से फैंस को दिलों में अपनी खास जगज बनाई है। सोनू के पुराने के गानों से लेकर नए गानों तक आज भी लोग उनकी गायिकी के दीवाने हैं। मगर कुछ समय पहले सोनू निगम पर एक पाकिस्तानी सिंगर ने गाना कॉपी करने का आरोप लगाया था जिसपर अब सोनू ने रिएक्शन दे दिया है। हाल ही में सोनू निगम की एक गाना रिलीज हुआ था जिसमें दर्शकों ने कई तरह की समानताएं पाई थी। इस गाने को 2 दिसंबर को टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया था। अब सिंगर ने उमर नदीम के पोस्ट के कमेंट सेक्शन में रिएक्ट किया है। उन्होंने सबसे पहले उमर नदीम से माफी मांगी है। इसके बाद सोनू निगम ने पूरी किस्सा शेयर किया और बताया कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया। सोनू निगम ने कहा, आप सभी जानते हैं कि मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। मुझसे केआरके (कमाल आर खान) ने गाना करने का अनुरोध किया था, जो दुबई में मेरे पड़ोसी हैं और फिर मैं उन्हें मना नहीं कर सका, भले ही मैं सबके लिए गाना नहीं गाया करता हूं। अगर मैंने उमर का गाना सुना होता, तो इसे कभी नहीं गाता। ओमैर नदीम ने कुछ समय पहले एक वीडियो शेयर किया था जिसमें उन्होंने अपने और सोनू निगम दोनों के गाने की क्लिप दिखाई थी। वीडियो को शेयर करते हुए ओमैर ने लिखा था कि मैं अपनी जिंदगी में एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया हूं, जहां इन चीजों के बारे में जरा भी परवाह नहीं कर सकता। लेकिन हां, अगर आप ऐसा कर रहे हैं तो कम से कम ओरिजिनल ट्रैक को क्रेडिट दीजिए। और अगर आप इससे बचना चाह रहे हैं तो ऐसा चालाकी से करें। मैं सोनू निगम का बहुत बड़ा फैन हूं, पर रियल रहिए। ओमैर नदीम ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें बताया गया है यह गाना 2009 में रिलीज हुआ था। इस गाने को यूट्यूब पर 5 लाख 40 हजार व्यूज है। वहीं सोनू निगम के गाने की बात करें तो इसपर 24 लाख से ज्यादा व्यूज मिले हैं। सोनू निगम को जवाब देते हुए उमर नदीम ने कहा, मैं आपसे सहमत हूं, मैंने अपने बयान में कहीं भी ये नहीं कहा कि आपने ऐसा किया है।

एंजियोप्लास्टी के बाद श्रेयस की हालत स्थिर

श्रेयस तलपड़े अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। अपने हर रोल को यादगार बनाने में श्रेयस तलपड़े हमेशा कामयाब रहे हैं। सीरियस रोल के अलावा उनकी कॉमिक टाइमिंग भी कमाल की रहती है। मगर देर रात एक्टर के हार्ट अटैक की खबर से उनके फैंस काफी घबरा गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रेयस तलपड़े को हार्ट अटैक के बाद मुंबई में अंधेरी वेस्ट के Bellevue अस्पताल में ले जाया गया था, जहां उनकी एंजियोप्लास्टी सर्जरी की गयी थी। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि श्रेयस तलपड़े की हालत में अब काफी सुधार देखने को मिला है। अस्पताल से मेडिकल टीम के एक मेंबर से बातचीत में बताया गया है, गुरुवार देर रात उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था और करीब 10 बजे उनकी सर्जरी हुई थी। अब वह पहले से स्वस्थ हैं और बस कुछ ही दिनों में उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

पत्नी ने लोगों का जताया आभार

दीप्ति तलपड़े ने अपने पति एक्टर श्रेयस तलपड़े की हेल्थ अपडेट शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, प्रिय दोस्तों और मीडिया, मेरे पति की बिगड़ी तबीयत के बाद आप सभी लोगों ने जिस तरह से दुआएं और फिक्र जताई उसके लिए मैं आप सभी की तहे दिल से आभार जाहिर करती हूं। मुझे यह बताते हुए राहत महसूस हो रही है कि उनकी हालत अब स्टेबल है और कुछ दिनों में उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज मिल जाएगा। मेडिकल टीम उनका खास ध्यान रख रही है। हम विशेषज्ञों की खास देखरेख के लिए आभारी हैं। हम आप सभी से रिक्वेस्ट करते हैं कि हमारी प्राइवेसी का ख्याल करें, क्योंकि अभी उनकी रिकवरी जारी है। आप लोगों का सपोर्ट और सहयोग हमें हिम्मत देता है।

एक्टर के साथ ये हादसा तब हुआ जब वो शूटिंग से घर पहुंचे ही थे। शूटिंग के बाद श्रेयस तलपड़े की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें घर पर बेचैनी महसूस होने लगी थी। जब उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था तो एक्टर की हालत इतनी खराब हुई कि वो बेहोश हो गए। अस्पताल पहुंचने के तुरंत बाद ही एक्टर की एंजियोप्लास्टी की गई, जिसके बाद उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

यदि इलेक्ट्रिक ट्रेन में अचानक चली जाए बिजली तो क्या झटके से रुक जाएगी गाड़ी?

हमारी लाइफ में ऐसी कई चीजें हैं, जिन्हें हम रोज देखते हैं। इनके बारे में हमारे दिमाग में सवाल भी उठता है लेकिन जवाब जानने की कोशिश हम नहीं करते। ये चीजें हमारी आंखों के सामने ही होती है लेकिन हम कभी उन्हें नोटिस नहीं करते। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर बिजली से चलने वाली ट्रेनों में अचानक पावर कट हो जाए तो क्या होगा? पहले के समय में ज्यादातर ट्रेन कोयले से चलते थे। कुछ लोग लगातार ट्रेन में भट्टी सी जलती आग में कोयला डालते जाते थे। इसकी हीट से ही ट्रेन चलती रहती थी। लेकिन अब ज्यादातर ट्रेन्स बिजली से चलती है। ये ज्यादा आसान भी है और इससे ट्रेन की स्पीड भी तेज हुई है। लेकिन क्या आपने कभी ये सोचा है कि अगर गलती से भी इलेक्ट्रिक ट्रेन में बिजली चली जाए तो क्या होगा? क्या चलती ट्रेन अचानक ही रुक जाएगी या कुछ और होगा? अगर कभी ऐसा हो जाए कि लंबी दुरी की ट्रेन में पॉवर कट हो गया और उसे ठीक करना पॉसिबल नहीं है, ऐसी स्थिति में ट्रेन से डीजल इंजन फिक्स कर दिया जाता है। इसके बाद यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाया जाता है। ना कि ऐसा होता है कि ट्रेन में पॉवर चली जाए तो गाड़ी झटके से रुक जाएगी। ये रुकेगी जरूर लेकिन धीरे-धीरे। इससे एक्सीडेंट होने के चान्सेस काफी कम हो जाते हैं।

अजब-गजब | कई लोगों ने कब्जा करने की कोशिश की लेकिन असफल रहे

बीर तवील : यह धरती की वो जगह है जिस पर नहीं है किसी भी देश का कब्जा

दुनिया में कई महाद्वीप हैं। इन महाद्वीपों को भी कई देशों में विभाजित किया गया है। इसकी वजह साफ है। जब जमीन के टुकड़ों को इस तरह से तोड़कर बॉउंड्री बनाकर रखा जाता है तो उसपर शासन करना आसान होता है। लोगों को पता होता है कि वो किस देश में हैं और वहां के नियमों के मुताबिक चलते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया में एक ऐसी जगह है, जो किसी भी देश के अंदर नहीं आती। यानी ये टुकड़ा स्वतंत्र है और यहां कोई भी राज कर सकता है।

वैसे तो 1959 में बनी अंटार्कटिक ट्रीटी के मुताबिक, अंटार्कटिक एक ऐसी जगह है, जहां के जमीन पर कोई भी कब्जा नहीं कर सकता। लेकिन हम जिस जगह की बात कर रहे हैं वो अंटार्कटिक रीजन में नहीं पड़ता। हम बात कर रहे हैं बीर तवील नाम के एक जगह की। ये जगह बीहड़ रेगिस्तान के बीच पड़ता है। पहाड़ों से घिरे इस जगह पर जीवन को सपोर्ट करने के लिए कोई भी रिसोर्स नहीं है। इस वजह से यहां कोई नहीं रह सकता। ये एक ऐसी जगह है, जो किसी भी देश के अधीन नहीं है।

वैसे तो आधिकारिक रूप से ये जगह किसी देश के अंदर नहीं है लेकिन ऐसे कई लोग हैं, जो यहां आकर इसपर अपना हक जमाते हैं। 2014 में अमेरिकी जेरेमिया हीटन ने इस जगह पर एक झंडा लगाया ताकि उसकी बेटी इस जगह की राजकुमारी बन जाए। उसने इस जगह का नाम किंगडम ऑफ नॉर्थ सूडान रखा। यहां तक की उसने अपने इस काल्पनिक देश की नागरिकता भी बेचनी शुरू कर दी। इसी साल दिसंबर में एक रुसी शख्स ने भी इस जगह पर अपना अधिकार जताया और इसका नाम किंगडम ऑफ मिडल अर्थ रख दिया। और भी ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने यहां आकर खुद को इस जगह का मालिक घोषित कर दिया। लेकिन कानूनी तौर पर ये टुकड़ा अभी भी स्वतंत्र है।

सरकार अनाप-शनाप काम कर रही : कमलनाथ

मोदी सरकार पर साधा निशाना, बोले- सांसदों को निलंबित करना इनकी मजबूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छिंदवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ छिंदवाड़ा प्रवास से दिल्ली के लिए रवाना हुए। कमलनाथ ने इमली खेड़ा हवाई पट्टी पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। सांसदों के निलंबन, प्रदेश में लाउडस्पीकर हटाने के आदेश सहित कई मुद्दों पर बात रखी।

कमलनाथ ने लोकसभा में 13 सांसदों के निलंबित किए जाने को लेकर कहा कि केंद्र सरकार के पास कोई उपाय नहीं बचा। वे निराश होकर ये सब कर रहे हैं। दरअसल सदन में हुए भारी हंगामा के बाद लोकसभा स्पीकर ने 13 सांसदों को निलंबित कर दिया था जिसको लेकर कमलनाथ का यह बयान सामने आया है। कमलनाथ ने यह भी कहा कि यह ऐसा करके दिन काट रहे हैं। एक दिन पहले भोपाल में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक से छिंदवाड़ा के कांग्रेस विधायकों की अनुपस्थिति को लेकर कमलनाथ ने बयान दिया उन्होंने कहा कि जो विधायक अनुपस्थित थे। उन्होंने ऊपर फोन से बात कर ली है। इस दौरान कमलनाथ ने विधानसभा में उपस्थिति को लेकर कहा कि वह तय करेंगे कि कब शपथ लेंगे।

सीएम सामाजिक एकता को ध्यान में रखकर लें फैसले

कमलनाथ में लाउडस्पीकर हटाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि वह जो कुछ भी कर रहे हैं इस बात का ख्याल रखकर करें कि इससे सामाजिक एकता को कोई नुकसान ना पहुंचे। हमारी संस्कृति भाईचारे की है।

नेता प्रतिपक्ष के नाम को लेकर मप्र में बना संशय

भोपाल। मध्यप्रदेश में नेताप्रतिपक्ष के नाम को लेकर सस्पेंस अभी भी बना हुआ है। नेताप्रतिपक्ष कोन होगा इसका इंतजार दिन प्रति दिन लंबा होता जा रहा है। दरअसल, मध्यप्रदेश कांग्रेस विधायक दल ने नेताप्रतिपक्ष को लेकर गेंद पार्टी हाईकमान के पाले में डाल दी है। अब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे और अन्य वरिष्ठ नेताओं को मिल कर मध्यप्रदेश कांग्रेस विधायक दल के नेता के नाम पर फैसला लेना है। इसीलिए इसमें इतनी देरी हो रही है। जबकि इधर सत्ता पक्ष भाजपा ने 11 दिसंबर को ही अपने विधायक दल का नेता चुन लिया था जिसने मुख्यमंत्री के पद की शपथ भी ले ली है। लेकिन कांग्रेस अभी भी किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रही है। इसके पीछे एक कारण कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ और एआईसीसी के बीच सहमति नहीं बन पाने को भी बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक कमलनाथ अब विदेश यात्रा पर निकल गए हैं। अब देखना यह होगा कि आखिर कब तक कांग्रेस नेताप्रतिपक्ष का चुनाव कर पाती है। भोपाल कांग्रेस मुख्यालय में विधायक दल की बैठक आयोजित की गई थी। इसमें चुनाव प्रभारी रणदीप सुरजेवाला और स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन भंवर जितेंद्र सिंह की मोजुदगी में 60 विधायकों ने ये एक लाइन का प्रस्ताव पारित किया था कि नेताप्रतिपक्ष के नाम का चयन पार्टी आलाकमान ही करे। रामनिवास रावत ने ये प्रस्ताव रखा था और हीरा अलावा ने इसका समर्थन किया था।

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा चुनाव को लेकर 19 दिसंबर को बैठक करेगा इंडिया गठबंधन

लखनऊ। विपक्षी समावेशी गठबंधन इंडिया की 19 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली बैठक में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत सभी प्रमुख नेता हिस्सा लेंगे। अभी तक बैठक का एजेंडा आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया है, लेकिन घटक दलों के बीच सीटों का बंटवारा मुख्य मुद्दा होगा। इंडिया गठबंधन की यह चौथी बैठक होगी। इससे पहले पटना, बंगलुरू और मुंबई में ये बैठकें हो चुकी हैं। पांच राज्यों के चुनाव के दौरान इंडिया की बैठकें न होने पर जदयू नेता नीतीश कुमार और नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने सार्वजनिक रूप से कड़ा एतराज जताया था। मध्य प्रदेश में गठबंधन के तहत सीटें न दिए जाने पर अखिलेश यादव ने भी कड़ी नाराजगी जताई थी। ऐसे में मंगलवार को होने वाली इंडिया की बैठक रिश्तों को सामान्य करने के लिहाज से भी अहम मानी जा रही है। इससे पहले छह दिसंबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने आवास पर गठबंधन की बैठक बुलाई थी, लेकिन अखिलेश यादव और ममता बनर्जी समेत कई नेताओं ने अन्यत्र व्यस्तता बताते हुए आने से इंकार कर दिया था। इंडिया के सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार को होने वाली बैठक में अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और एमके स्टालिन समेत सभी प्रमुख नेताओं के आने की उम्मीद है। अभी तक घटक दलों को कोई एजेंडा जारी नहीं मिला है, पर चर्चा का मुख्य बिंदु यूपी, दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी बंगाल में सीटों का बंटवारा ही रहेगा।

सातवीं बार माफिया मुख्तार अंसारी को सजा

लखनऊ। माफिया मुख्तार अंसारी को बीते 15 माह में सातवीं बार सजा कराने में पुलिस को सफलता मिली है। वाराणसी की अदालत ने उसे पांच वर्ष छह माह की सजा सुनाई, जो मुख्तार को हुई सातवीं सजा है। उसे आजीवन कारावास की अधिकतम सजा भी बीते दिनों सुनाई जा चुकी है। वहीं 21 अलग-अलग मामलों में अदालत में सुनवाई जारी है। स्पेशल डीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि माफिया मुख्तार अंसारी के खिलाफ नई दिल्ली, पंजाब के साथ यूपी के गाजीपुर, वाराणसी, चंदौली, आजमगढ़, मऊ, सोनभद्र, लखनऊ, बाराबंकी और आगरा में हत्या, लूट, डकैती, अपहरण, रंगदारी, गैंगस्टर, रासुका आदि के 65 मुकदमे दर्ज हैं। मुख्तार को विभिन्न मुकदमों में सजा कराने के लिए उत्कृष्ट समन्वय स्थापित कर निरंतर पैरवी, कार्यवाही व पर्यवेक्षण किया जा रहा है। उसके गिरोह के 292 सदस्यों एवं सहयोगियों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध 160 मुकदमे दर्ज कराए गये हैं। इसके अलावा 175 लाइसेंसी शस्त्रों को निरस्त कराया गया है। गैंग के पांच सदस्य अब तक पुलिस मुठभेड़ में ढेर किये जा चुके हैं। वहीं 164 सदस्यों के खिलाफ गैंगस्टर तथा 6 के खिलाफ रासुका की कार्रवाई की गयी है। प्रदेश पुलिस ने मुख्तार की अब तक 605 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त अथवा ध्वस्त कराया है। वहीं टेंडर आदि से होने वाली 215 करोड़ रुपये की अवैध कमाई को बंद कराया जा चुका है।

19 से विपासना शिविर जायेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर विपासना के लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री इस बार 19 दिसंबर को विपासना के लिए रवाना होंगे। केजरीवाल हर साल विपासना का 10 दिनों का कोर्स करने जाते हैं। इस साल भी 19 से 30 दिसंबर तक विपासना में जा चुके हैं।

'मणिपुर में सार्वजनिक प्रार्थना स्थलों को दें सुरक्षा'

» सुप्रीम कोर्ट ने मित्तल समिति का कार्यकाल छह महीने और बढ़ाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा मामले की जांच के लिए गठित जस्टिस गीता मित्तल समिति का कार्यकाल सुप्रीम कोर्ट ने छह महीने और बढ़ा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर में सार्वजनिक प्रार्थना स्थलों को सुरक्षित करने के लिए कदम उठाने को कहा है। मणिपुर सरकार ने एक हलफनामा दायर किया था।

इस हलफनामे में उल्लेख किया गया था कि जातीय हिंसा के बीच राज्य में प्रार्थना स्थलों में तोड़फोड़ की गई है। उन्हें नुकसान पहुंचाया गया और जला दिया गया है। याचिकाकर्ताओं के वकील हुजैफा अहमदी से कोर्ट ने प्रभावित धार्मिक स्थलों की सूची मांगी है।

अहमदी ने कहा कि ये आंकड़े उनके पास नहीं हैं। लेकिन अपनी अर्जी के साथ कुछ गिरजाघरों की तस्वीरें उन्होंने अदालत को दी है. इस पर अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रंजीत कुमार ने कहा कि कई मंदिरों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। जब कोर्ट में बात हो तो सभी धर्म स्थलों की बात होनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने प्रार्थना स्थलों के जीर्णोद्धार के मुद्दे पर विचार करते हुए कहा कि राज्य सरकार हिंसा के दौरान क्षतिग्रस्त किए गए धार्मिक स्थलों की पहचान करने के बाद एक व्यापक सूची दो सप्ताह के भीतर समिति को सौंपे। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल रहे, पीठ ने स्पष्ट किया कि ऐसी संरचनाओं की पहचान में सभी धार्मिक स्थल शामिल होंगे। उसने कहा, ''मणिपुर सरकार समिति को सार्वजनिक प्रार्थना स्थलों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताएं। सुप्रीम कोर्ट ने समिति को मई के बाद से हिंसा के दौरान क्षतिग्रस्त या नष्ट किए गए सार्वजनिक प्रार्थना स्थलों के जीर्णोद्धार समेत कई कदमों पर एक व्यापक प्रस्ताव तैयार करने की भी अनुमति दे दी है।

जगन मोहन अपनी पार्टी के नाम से कांग्रेस शब्द हटाएं : रुद्र राजू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस कमर कसने को तैयार है। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिदुगु रुद्र राजू ने कहा, कि पार्टी अगले 70 दिनों के दौरान अपनी चुनावी रणनीति को लागू करेगी।

इस रणनीति को पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स एंड को-ऑर्डिनेशन कमिटी ने तीन दिवसीय बैठक में तैयार किया है। उन्होंने बताया कि 20 जनवरी से पार्टी नेता और कार्यकर्ता अपनी इंटिंटा कांग्रेस पहल के तहत घर-घर जाकर अभियान चलाएंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के स्थापना दिवस के मौके पर 29 दिसंबर को काकीनाडा में शताब्दी समारोह आयोजित किया जाएगा।

धोनी की याचिका पर पूर्व आईपीएस को सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। धोनी ने आईपीएस जी संपत कुमार और एक टेलीविजन चैनल ग्रुप के खिलाफ 100 करोड़ रुपए का मानहानि का केस किया था। धोनी ने संपत के खिलाफ अवमानना याचिका भी दायर की थी।

मद्रास हाईकोर्ट ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की याचिका पर रिटायर्ड आईपीएस अफसर जी संपत कुमार को 15 दिनों की कैद की सजा सुनाई है। हालांकि सजा को 30 दिनों के लिए स्थगित रखा है। जिससे वह फैसले के खिलाफ अपील कर सकें। 2013 में जी संपत कुमार तमिलनाडु पुलिस के सीआईडी के अफसर थे। उन्होंने 2013 आईपीएल सट्टेबाजी मामले की शुरुआती जांच की थी। उन पर सटटेबाजों को छोड़ने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगा था। इसलिए उन्हें केस से हटा दिया गया था। संपत ने इस केस में धोनी का नाम भी शामिल किया था। इस पर धोनी ने जी संपत कुमार और एक टेलीविजन चैनल ग्रुप के खिलाफ 100 करोड़ रुपए का मानहानि का केस किया था। धोनी ने संपत के खिलाफ अवमानना याचिका भी दायर की थी। इस याचिका में संपत की ओर से सुप्रीम कोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों का हवाला दिया था। धोनी ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि संपत ने कहा था कि सीलबंद लिफाफे को रोकने के पीछे सुप्रीम कोर्ट का एक मकसद था।

भारतीय महिलाओं ने रच डाला इतिहास

» भारत ने इंग्लैंड को पहली बार घरेलू मैदान पर टेस्ट मैच में 347 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ इकलौते टेस्ट मैच में 347 रन से जीत हासिल की। इस मैच को जीतने के साथ ही टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया। उसने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट में इंग्लैंड को हराया। भारतीय महिला टीम की इंग्लैंड के खिलाफ यह कुल तीसरी जीत है। इससे पहले उसने 2006 में टॉन्टन और 2014 में वॉर्मस्ले में जीत हासिल की थी।

वहीं, महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत भी हासिल की। इससे पहले श्रीलंका की महिला टीम ने पाकिस्तान को 1998 में 309 रन से हराया था। वहीं, न्यूजीलैंड ने 1972 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 188 रन से जीत हासिल की थी। पहली पारी में 428 रन बनाने के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड को पहली पारी में 136 रन पर समेट दिया। ऐसे में भारत को पहली पारी में 292 रन की बढ़त मिली थी। टीम इंडिया ने दूसरी पारी को छह विकेट पर 186 रन पर घोषित कर दिया। इस तरह इंग्लैंड को जीत के लिए 479 रन का लक्ष्य मिला। उसकी पूरी टीम दूसरी पारी में 131 रन पर सिमट गई। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने चार और पूजा वस्त्राकर ने तीन विकेट लिए। राजेश्वरी गायकवाड़ को दो सफलता मिली। रेणुका सिंह ठाकुर ने एक विकेट अपने नाम किया। भारत की दूसरी पारी की बात करें तो कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सबसे ज्यादा नाबाद 44 रन बनाए। उनके पास अर्धशतक लगाने का मौका था, लेकिन उन्होंने पारी घोषित करने का फैसला किया। शेफाली वर्मा ने 33 और जेमिमा रोड्रिग्स ने 27 रन की पारी खेली। स्मृति मंधाना ने 26 और दीप्ति शर्मा ने 20 रन बनाए। पूजा वस्त्राकर 17 रन बनाकर नाबाद रहीं। यास्तिका भाटिया ने नौ रन बनाए और स्नेह राणा खाता नहीं खोल पाईं। इंग्लैंड के लिए चार्ली डीन ने चार और सोफी एक्लेस्टोन ने दो विकेट लिए।

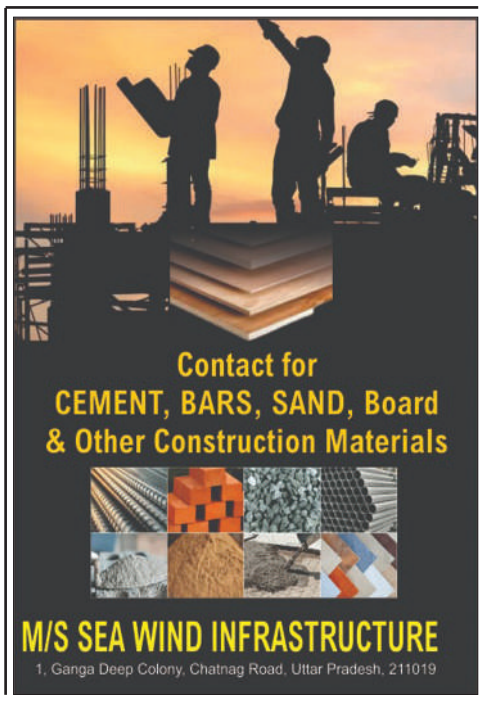

शायराना अंदाज में दिखे सीजेआई, साथी जज की विदाई के मौके पर शेर पढ़ते हुए कहा-

'मैंने भी तैयार किया था घोषणापत्र'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने एक फेयरवेल कार्यक्रम के दौरान मशहूर शायर फैज अहम फैज का शेर पढ़कर सभी को अचंभित कर दिया। मौका था सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज संजय किसन कौल के रियाटरमेंट का। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट में फेयरवेल का आयोजन किया गया था। इसी मौके पर सीजेआई ने जस्टिस कौल को संबोधित करते हुए फैज अहमद फैज का लिखा शेर वीरां है मकैदा, खुम-ओ-सागर उदास है, तुम गए तो रूठ गए दिन बहार के... कहा इसके बाद उन्होंने कहा कि मैं पहली बार जस्टिस कौल से सेंट स्टीफन कॉलेज में मिला था।

उन्होंने कहा, आपातकाल के बाद हम पहले बैच में थे और कैंटीन में हमारी अनगिनत बातचीत और थिएटर के प्रति हमारे लगाव ने हमें दोस्त बना दिया। जस्टिस कौल के साथ अपने कॉलेज के दिनों को याद करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्होंने (जस्टिस कौल) छात्र चुनाव लड़ा और हमने उनका पूरा समर्थन किया। चूंकि मैं अकादमिक रूप से मजबूत था, इसलिए मुझे उनका घोषणापत्र तैयार करने का काम सौंपा गया था। उन दिनों, संजय करते थे उनके पास लाल रंग की स्टैंडर्ड कार है, एक दिन, उनका एक्सीडेंट हो गया और हमने सोचा कि हमें कुछ सहानुभूति वोट मिल सकते हैं लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तीन साल बाद, सेंट स्टीफंस से स्नातक होने के बाद, न्यायमूर्ति कौल और मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर में बैचमेट थे, जहां उन्होंने कानून में अपनी डिग्री पूरी की।

सीजेआई ने आगे कहा कि एलएलबी के दौरान, संजय के नोट्स प्रसिद्ध थे लेकिन उन्होंने कभी भी अपने नोट्स को प्रैक्टिस बुक में नहीं बनाया क्योंकि उन्हें चिंता थी कि वह व्यक्ति नोट्स वापस नहीं करेगा। वह नोट्स मांगने वाले से पूछते थे कि उसने कौन सी क्लास नहीं की है और उसी के हिसाब से उन्हें नोट्स दिया करते थे।

सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों लाए जाते हैं दिल्ली सरकार और एलजी के सभी विवाद : चंद्रचूड़

दिल्ली महिला आयोग के एक मामले को सुप्रीम कोर्ट ने ये कहते हुए दिल्ली हाईकोर्ट भेज दिया कि हम हर एक मामले में ऐसे सुनवाई नहीं कर सकते. महिला आयोग का कोष यानी आर्थिक मदद रोक देने की अर्जी पर प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड ने कहा कि आप सीधे सुप्रीम कोर्ट आने की बजाय दिल्ली हाईकोर्ट क्यों नहीं गए? दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच होने वाले हर विवाद सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों लाए जाते हैं? हम हर एक मामले में ऐसे सुनवाई नहीं कर सकते. हम सिर्फ संवैधानिक पहलुओं पर ही सीधे सुन सकते हैं। सामान्य मामले पर नहीं। दिल्ली महिला आयोग के वकील गोपाल शंकर नारायणन ने कहा कि ये आयोग का मामला है, धनराशि नहीं है। इस पर प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड ने कहा कि कल हमारे सामने बस मार्शल का मुकदमा आया. हम ऐसे रोज-रोज सामान्य मुकदमे नहीं सुन सकते, जिनमे कोई संवैधानिक पेंच न हो।

कार और ट्रक की भिड़ंत में 6 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर शहर के बाहरी इलाके में एक कार और ट्रक की भीषण टक्कर हो गई। इस दौरान हादसे में करीब छह लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना काटोल-कलमेश्वर रोड पर सोनखंब गांव के पास देर रात 12.15 से 2 बजे के बीच हुई। मामले की जांच की जा रही है।

उन्होंने कहा, एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद सात लोग कार में यात्रा कर रहे थे, तभी उनका वाहन सोयाबीन ले जा रहे ट्रक से टकरा गया। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य की अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद तीन अन्य लोगों को इलाज के लिए नागपुर लाया गया और उनमें से दो की वहीं मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में जांच की जा रही है।

मांगे न मानने पर काम रोकने की चेतावनी

नगर निगम मुख्यालय पर 13 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारियों का धरना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपनी 13 सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन पत्र उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ ने नगर आयुक्त को सौंपा। द्वारा वर्ष 2017 से लगातार 13 सूत्रीय मांगो वह अन्य समस्याओं पर प्रदेश सरकार व शासन द्वारा कार्यवाही न होने पर आज फिर से उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ ने विरोध स्वरूप पुनः ज्ञापन प्रेषित कर निर्णय कर जाने के संबंध में नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ वर्ष 2017 से लगातार अपनी मांगो को लेकर प्रदेश सरकार व शासन से पत्राचार आंदोलन व धरना प्रदर्शन के द्वारा अपनी मांगो के लिए विरोध दर्ज कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ ने दोबारा नगर आयुक्त को ज्ञापन प्रेषित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपनी 13 सूत्रीय मांगों को पूर्ण किए जाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

मांगे नहीं मानी तो अनिश्चितकालीन कार्यबंदी : शशि

उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार मिश्र ने कहा कि निकाय कर्मियों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो महा संघ अगले माह अपनी कर समिति की बैठक कर प्रदेश स्तर पर अनिश्चितकालीन कार्यबंदी किए जाने पर विवश होगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश सरकार शासन की होगी। महासंघ द्वारा गत वर्षों में बहुत से आंदोलन धरना प्रदर्शन ज्ञापन पत्राचार करने के बाद समय-समय पर प्रमुख सचिव नगर विकास द्वारा द्वारा प्रमुख रूप से 4बैठकें की गई जिनका क्रियान्वयन भी नहीं हो सका।

सातवें वेतन की मांग

मांगों में मुख्य तौर से केंद्रीय सेवा संवर्ग के निकाय कर्मचारियों को केंद्रीय सेवा नियमावली 2021 का प्रख्यापन महासंघ की आपत्तियों का निस्तारण करने सातवें वेतन का पूर्ण लाभ प्राप्त करने हेतु छठे वेतनमान की संस्कृतियों के क्रम में वेतन समिति 2008 के 12वीं प्रत्यावेदन के अनुसार 31 में 2013 को वित्त विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार सभी सामान्य संवर्गों के पद पर व्याप्त वेतन विसंगतियों का निस्तारण करने वह राज्य कर्मचारियों की भांति निकाय कर्मचारियों को वेतन भत्ते पदनाम आदि लागू करने का अनुरोध किया।

संक्षिप्त खबरें

2024 की जनगणना के बाद लागू हो जाएगा महिला आरक्षण बिल: सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र 2024 की जनगणना के बाद महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने के लिए कदम उठाएगा। दक्षिण कन्नड़ जिले के मूडबिद्री में रानी अब्बक्का के नाम पर एक स्मारक डाक टिकट जारी करने के बाद सीतारमण ने ये बात कही। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना भी की। सीतारमण ने कहा कि महिला विधेयक एक वास्तविकता बन गया है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका में विश्वास करते हैं। पुर्तगालियों के खिलाफ लड़ने वाली 16वीं सदी की उल्लाल की रानी रानी अब्बक्का के साहस और वीरता की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने की. सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार ने कई अज्ञात सेनानियों के योगदान का दस्तावेजीकरण करने के लिए कदम उठाए हैं, जिन्होंने शाही ताकतों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में, सरकार ने वीरता की 14 हजार 500 कहानियों का एक साथ डिजिटल भंडार तैयार किया है। इसमें स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थानों पर प्रकाश डाला गया है।

मैं कहीं नहीं जा रहा: शिवराज सिंह

नई दिल्ली। शिवराज सिंह चौहान भले ही अब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ना हों लेकिन उन्हें अपने समर्थकों से मिलने वाले स्नेह और प्यार में किसी तरह की कोई कमी होती नहीं दिख रही है। खास तौर महिला समर्थकों में जो उन्हें अपना भाई और मामा कहकर बुलाती हैं. इसकी एक वजह से शिवराज सिंह चौहान और उनके समर्थकों के बीच का भावनात्मक जुड़ाव. इसका एक उदाहरण बीते दिनों विदिशा में उस वक्त देखने को मिला जब पूर्व मुख्यमंत्री यहां अपने समर्थकों से मिलने आए। बीते दिनों जब शिवराज सिंह चौहान विदिशा आए तो यहां उन्हें समर्थकों ने घेर लिया. इन समर्थकों में खास तौर पर महिलाएं शामिल थीं. ये सभी शिवराज सिंह चौहान से मांग कर रही थीं कि वो फिर से सूबे की बागडोर संभालें. कई समर्थक तो शिवराज सिंह चौहान के लिए नारे तक लगा रही थीं। कहा जाता है कि महिला समर्थकों के बीच शिवराज सिंह चौहान के इतने फेमश होने की सबसे बड़ी वजह है उनके शासन में महिलाओं के लिए चलाई गई जन कल्याणकारी योजनाएं। शिवराज सिंह चौहान ने स्वयं इस वर्ष के विधानसभा चुनाव में सीहोर जिले के बुधनी से एक लाख से अधिक मतों के रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की है।

रतन टाटा को धमकी देने वाले को पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली। मुंबई पुलिस ने एक एमबीए धारक का पता लगाया है, जिसने कथित तौर पर दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा को धमकी देते हुए फोन किया था। पुलिस ने कहा कि जांच के दौरान उन्हें पता चला कि अज्ञात कॉलर को सिजोफ्रेनिया है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि फोन करने वाले ने पुलिस से रतन टाटा की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कहा, जिसमें विफल रहने पर उसने चेतावनी दी कि उद्योग जगत के दिग्गज का हश्र टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष साइरस मिस्त्री जैसा होगा। जाने-माने उद्योगपति मिस्त्री की चार सितंबर, 2022 को एक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। कॉल मिलने पर, मुंबई पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में चली गई और रतन टाटा की व्यक्तिगत सुरक्षा बढ़ाने की जिम्मेदारी एक विशेष टीम को सौंपी गई। जबकि दूसरी टीम को कॉलर के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए कहा गया। पुलिस ने कहा कि उन्होंने तकनीकी सहायता और एक दूरसंचार सेवा प्रदाता की मदद से कॉल करने वाले का पता लगाया। पुलिस ने बताया कि फोन करने वाले की लोकेशन कर्नाटक में पाई गई और वह पुणे का रहने वाला है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में राम विचार नेताम होंगे प्रोटेम स्पीकर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 19 दिसंबर से शीतकालीन सत्र शुरू होगा। इसके पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता रामविचार नेताम को विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर बनाया गया है। वे प्रदेश के 90 नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे। इस बीच जल्द ही मंत्रिमंडल का भी विस्तार हो सकता है. छत्तीसगढ़ में शीतकालीन सत्र के लिए अफसर तैयारियों में जुट गए हैं। रामविचार नेताम छत्तीसगढ़ कैबिनेट में मंत्री रह चुके हैं, वे रामानुजगंज से छठवीं बार विधायक चुने गए हैं, वे राज्यसभा सांसद भी रह चुके हैं. राम विचार नेताम प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेताओं में से एक हैं. ये सीएम पद की दौड़ में भी शामिल थे।

उत्तर प्रदेश में शुरू हुआ गलन का सितम

» रविवार से पारे में और आएगी गिरावट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के वातावरण में धीरे-धीरे सर्दी लगातार बढ़ती जा रही है। दिन में धूप खिल जरूर रही है लेकिन धूप का असर उतना नहीं हो रहा है। कुछ जिलों के तापमान में रिकॉर्ड गिरावट देखने को मिल रही है। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया है। गलन बढ़ रही है। बरेली में न्यूनतम तापमान लगातार 5 से नीचे बना हुआ है। शुक्रवार को बरेली में रात का पारा 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

कई अन्य इलाकों में तापमान 10 से नीचे रहा। रविवार से पारे में और गिरावट आने के आसार हैं। दिसंबर के अंतिम सप्ताह में पश्चिम और मध्य यूपी में बरसात के आसार हैं, इसके साथ और ठंड बढ़ने के आसार हैं। अयोध्या में न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री, मेरठ में 5.6 डिग्री, मुजफ्फरनगर व गाजीपुर में 6.5, शाहजहांपुर और नजीबाबाद में 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। प्रदेश में अधिकतम तापमान में गिरावट की रफ्तार धीमी है। तापमान 22 डिग्री से 27 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

24 दिसंबर को हल्की बूंदाबांदी के आसार

ठंड पूरी तरह से अब शबाब पर आने के तैयार है। राजधानी के पारे में रोजाना उतार-चढ़ाव जारी है, खासकर रात के पारे में गिरावट जारी है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस सीजन में सबसे कम है। बृहस्पतिवार के 10.4 डिग्री के मुकाबले रात का पारा 1.5 डिग्री कम हुआ। वहीं दिन का तापमान लगभग समान रहा। यह बृहस्पतिवार के 24 डिग्री से बढ़कर 24.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम वैज्ञानिक आने वाले दिनों में ठंड बढ़ने और पारे के लुढ़कने के आसार जता रहे हैं। एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बढ़ी हुई है। इसके चलते 23 दिसंबर की रात से मौसम में बदलाव दिखने लगेगा। 24 को हल्की बूंदाबांदी के भी आसार हैं, 25 तक राजधानी में बादल डेरा डाले रहेंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।